गणित

पहली कक्षा

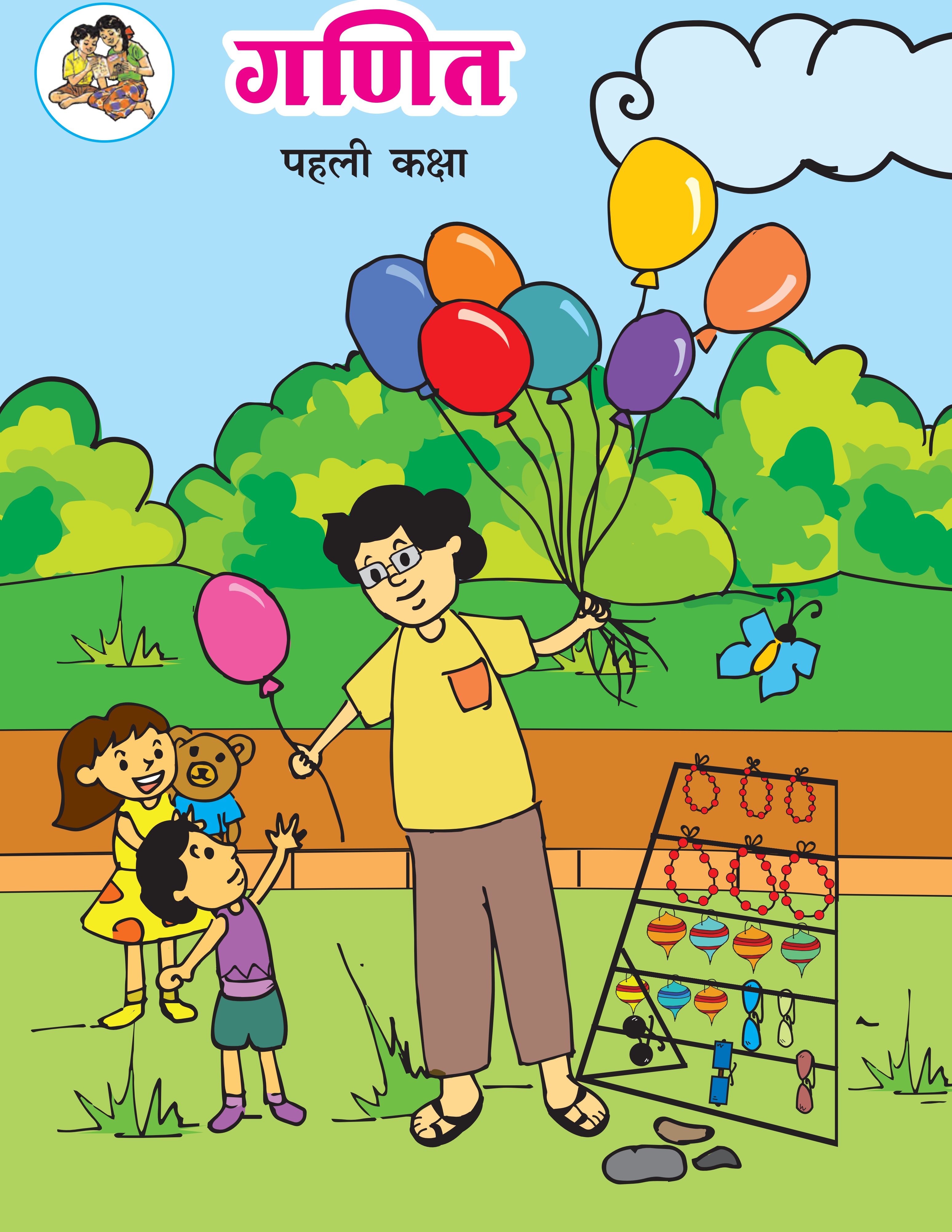

भारत का संविधान

भाग 4 क

मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य– भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखें;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्‌ध है;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;

(ट) यदि माता–पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।

शासन निर्णय क्रमांक : अभ्यास–२११६/(प्र.क्र.४३/१६) एसडी–४ दिनांक २५.०४.२०१६ के अनुसार समन्वय समिति का गठन किया गया । दि. ८.०५.२०१८ को हुई इस समिति की बैठक में यह पाठ्यपुस्तक निर्धारित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई ।

गणित

पहली कक्षा

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति तथा अभ्यासक्रम संशोधन मंडल, पुणे – ४११ ००४

8QVFLZ

आपके स्मार्टफोन पर DIKSHA App द्वारा पाठ्यपुस्तक के इस पृष्ठपर Q. R. Code द्वारा डिजिटल पाठ्यपुस्तक, इसीप्रकार पाठ्यपुस्तक में विविध आशयों के संदर्भ में दिए गए अन्य Q.R. code द्वारा अध्ययन – अध्यापन के लिए उपयुक्त दृकश्राव्य साहित्य उपलब्ध होगा !

प्रथमावृत्ति : 2018
तीसरा पुनर्मुद्रण : 2021

© महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति तथा अभ्यासक्रम संशोधन मंडल, पुणे - ४११ ००४.
इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति एवं अभ्यासक्रम संशोधन मंडल के अधीन सुरक्षित है । इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति एवं अभ्यासक्रम संशोधन मंडल के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता ।

गणित विषयतज्ज्ञ समिति

डॉ. मंगला नारळीकर (अध्यक्ष)
डॉ. जयश्री अत्रे (सदस्य)
श्री. विनायक गोडबोले (सदस्य)
श्रीमती प्राजक्ती गोखले (सदस्य)
श्री. रमाकांत सरोदे (सदस्य)
श्री. संदीप पंचभाई (सदस्य)
श्रीमती पूजा जाधव (सदस्य)
श्रीमती उज्ज्वला गोडबोले (सदस्य-सचिव)

मुखपृष्ठ व सजावट

कस्तुरी दिवाकर, चित्रकार, पुणे

अक्षरजुळणी

मुद्रा विभाग, पाठ्यपुस्तक मंडल, पुणे

प्रमुख संयोजक

उज्ज्वला श्रीकांत गोडबोले
प्र.विशेषाधिकारी गणित, पाठ्यपुस्तक मंडल, पुणे.

गणित विषय - राज्य अभ्यासगट सदस्य

श्रीमती सुवर्णा देशपांडे
श्रीमती जयश्री पुरंदरे
श्री. राजेंद्र चौधरी
श्री. रामा व्हन्याळकर
श्री. आण्णापा परीट
श्री. अन्सार शेख
श्री. श्रीपाद देशपांडे
श्री. सुरेश दाते
श्री. बन्सी हावळे
श्रीमती रोहिणी शिर्के
श्री. प्रकाश झेंडे
श्री. लक्ष्मण दावणकर
श्री. श्रीकांत रत्नपारखी
श्री. सुनिल श्रीवास्तव
श्री. अन्सारी अब्दुल हमीद
श्री. मल्लेशाम बेथी
श्री. उमेश रेळे
श्रीमती तरुबेन पोपट
श्री. प्रमोद ठोंबरे
डॉ. भारती सहस्रबुद्धे
श्री. वसंत शेवाळे
श्री. प्रताप काशिद
श्री. मिलिंद भाकरे
श्री. ज्ञानेश्वर माशाळकर
श्री. गणेश कोलते
श्री. संदेश सोनवणे
श्री. सुधीर पाटील
श्री. प्रकाश कापसे
श्री. रवींद्र खंदारे
श्रीमती स्वाती धर्माधिकारी
श्री. अरविंदकुमार तिवारी
श्रीमती आर्या भिडे

अनुवाद एवं समीक्षण

श्री. अरविंदकुमार तिवारी
श्री. सुनील श्रीवास्तव
श्री. लीलाराम बोपचे
श्री. धीरज शर्मा

निर्मिति

सच्चितानंद आफळे
मुख्य निर्मिति अधिकारी
संजय कांबळे
निर्मिति अधिकारी
प्रशांत हरणे
सहायक निर्मिति अधिकारी

निमंत्रित सदस्य

श्रीमती अमरजा जोशी
श्री. प्रदीप पालवे
श्री. संदीप राऊत
श्रीमती जयश्री लेले
श्रीमती सुवर्णा पवार
श्री. महेंद्र नेमाडे
श्री. संतोष सोनवणे
श्री. विजय एकशिंगे

कागज

७० जी.एस.एम.क्रीमवोव्ह

मुद्रणादेश

N/PB/2020-21/5,000

मुद्रक

SIDDHIVINAYAK PRINTMAIL, RAIGAD

प्रकाशक

विवेक उत्तम गोसावी, नियंत्रक
पाठ्यपुस्तक निर्मिति मंडल,
प्रभादेवी, मुंबई २५

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) **को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।**

राष्ट्रगीत

जनगणमन – अधिनायक जय हे
भारत – भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत – भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई–बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता–पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

मेरे प्यारे बालमित्रों,

पहली कक्षा में आपका स्वागत ! नई पाठशाला, नए मित्र, नए शिक्षक और नई किताबें आपको मिलेंगी । नई किताबें खोलकर देखें। गणित की किताब में भी रंगीन चित्र, खेल, कविताएँ हैं । उसमें से आप मौज मस्ती से सीखें । ज्यादा से ज्यादा खेलें, नाचें, कूदें और अध्ययन भी करें।

वस्तुओं की गिनती सीखना हो तो सर्व प्रथम एक से दस और फिर ग्यारह से बीस को क्रम से बोलना आना चाहिए । उसके लिए किताब में बहुत मजेदार गाने भी हैं । अँगुलियों का उपयोग गिनती के लिए होता है । अँगुलियों के लिए कागज की रंगीन टोपियाँ बनाकर खेलें । किताबों की कृतियाँ समझ लें । इसके लिए अध्यापक, माता-पिता, भाई-बहन आदि किसी की भी सहायता लें । तुम्हारे साथ यश और रमा जैसे मित्र भी हैं । कभी कभी रंगीन खंड्या (चंद्रकांत) पक्षी भी सहायता के लिए आएँगे।

जोड़ने-घटाने की क्रियाएँ हमें दैनिक जीवन में करनी होती हैं इसलिए उनका अधिक अभ्यास करें । अभ्यास के लिए किताब में कुछ कहानियाँ दी गई है । वैसे ही चित्र भी दिए गए हैं । उसके आधार पर काहानियाँ बनाने को कहा गया हैं । ऐसी कहानियाँ तुम भी बनाओ । इन कहानियों के आधार पर गणितीय उदाहरण तैयार कर एक दूसरे को हल करने के लिए दें । इस किताब के कुछ पृष्ठों मे नीचे क्यू. आर. कोड दिए गए हैं । क्यू. आर. कोड द्‌वारा प्राप्त जानकारी भी आपको बहुत पसंद आयेगी ।

संख्याओं के साथ मित्रता करें । उनके साथ खेलें तब गणित विषय एकदम आसान होगा ।

(डॉ. सुनिल मगर)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति तथा
अभ्यासक्रम संशोधन मंडल, पुणे.

पुणे
दिनांक : १६ मई २०१८
भारतीय सौर दिनांक : २६ वैशाख १९४०

गणित अध्ययन निष्पत्ति : पहली कक्षा

अध्ययन के लिए सुझाई गई शैक्षणिक प्रक्रिया	अध्ययन निष्पत्ति
विद्‌यार्थी/अध्ययनकर्ता को अकेले/जोड़ी में/समूह में अवसर देकर कृति करने के लिए प्रेरित करना । • अपने आसपास के परिवेश में पाई जाने वाली विविध परिस्थितियों और संदर्भों का निरीक्षण करना । जैसे – कक्षा के अंदर और बाहर का । • ऊपर-नीचे, अंदर-बाहर, पास-दूर, पहले-बाद में, मोटा-पतला, बड़ा-छोटा आदि अंतरिक्षीय संबोधों / अवधारणाओं का उपयोग करने हेतु प्रवृत्त करना । • पास-दूर, लंबा- ठिगना, मोटा-पतला जैसी बातों को पहचानना तथा चित्ररूप में दर्शाना । • उन्हें प्रत्यक्ष वस्तुओं / प्रतिकृतियों को उपयोग में लाने के लिए देना । उन वस्तुओं / प्रतिकृतियों का वर्गीकरण करना । जैसे- रोटी और गेंद जैसी गोल वस्तुएँ और पेन्सिल, बक्से जैसी बिना गोल आकार की वस्तुएँ । • दिए गए बक्से में रखी ९ तक की वस्तुओं के ढेर में से कुछ वस्तुएँ उठाना और गिनना । जैसे ८ पत्ते, ४ बीज अथवा आईस्क्रीम की ६ तीलियाँ आदि । • दिए गए वस्तु समूह में से २० तक की वस्तुएँ अलग निकालना । • दो समूहों की वस्तुओं का एक-दूसरे से मेल / संगति लगाकर, से अधिक, से कम अथवा के समान जैसे शब्दों का उपयोग करना । • पहले से ही ज्ञात जोड़ों के आधार पर अथवा आगे की गिनती करो का उपयोग करके ९ तक की संख्याओं का जोड़ करने के लिए प्रवृत्त करना । • दिए गए वस्तुओं के समूह में से कुछ वस्तुएँ अलग करने पर बची हुई वस्तुओं को गिनना । ऐसी कृतियों के माध्यम से १ से ९ तक की संख्याओं की घटाव पद्‌धतियों को विकसित करना । • २० तक का जोड़ (२० के आगे न जाएँ) करने के लिए एकत्रीकरण करना, आगे गिनना जैसी जोड़ करने की विभिन्न कार्य पद्‌धतियों का उपयोग करना। • दिए गए समूह में से / चित्र में से वस्तुएँ हटाने जैसी विभिन्न पद्‌धतियों को विकसित करना ।	**विद्‌यार्थी —** 01.71.01 १ से २० तक की संख्याओं पर कार्य करते हैं । 01.71.02 छोटे-बड़े आकार के अनुसार वस्तुओं का वर्गीकरण करते हैं । 01.71.03 वस्तु, चित्र अथवा चिह्नों की सहायता से २० तक की संख्याओं के नाम बताते हैं और गिनते हैं । 01.71.04 १ से ९ तक की संख्याओं का उपयोग करते हुए वस्तुओं को गिनते हैं । 01.71.05 २० तक संख्याओं की तुलना करते हैं जैसे – यह बता पाते हैं कि कक्षा में लड़कियों की संख्या या लड़कों की संख्या अधिक है । 01.71.06 दैनिक व्यवहारों में १ से २० तक संख्याओं का उपयोग जोड़ (योग) व घटाने में करते हैं । 01.71.07 मूर्त वस्तुओं की मदद से ९ तक की संख्याओं के जोड़ बनाते हैं । उदाहरण के लिए ३+३ प्राप्त करने के लिए ३ के आगे ३ गिनकर निष्कर्ष निकालते हैं । ३+३=६ 01.71.08 १ से ९ तक संख्याओं का प्रयोग करते हुए घटाव की क्रिया करते हैं । जैसे – ९ वस्तुओं के एक समूह में से ३ वस्तुएँ निकालकर शेष वस्तुओं को गिनते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं ९–३ = ६ 01.71.09 ९ तक की संख्याओं का प्रयोग करते हुए प्रतिदिन में उपयोग होने वाले जोड़ तथा घटाव के प्रश्नों को हल करते हैं। 01.71.10 ९९ तक की संख्याओं को पहचानते हैं एवं संख्याओं को लिखते हैं । 01.71.11 आकृतियों, वस्तुओं तथा संख्याओं के आकृतिबंध का अवलोकन, विस्तार तथा निर्मिति करते हैं । 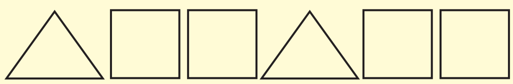

अध्ययन के लिए सुझाई गई शैक्षणिक प्रक्रिया	अध्ययन निष्पत्ति
• २० से बड़ी संख्याओं के लिए दहाइयों के समूह और इकाइयाँ गिनना । जैसे ३८ में दहाई के ३ समूह और ८ खुले (इकाइयाँ) हैं । • वस्तुओं को उपयोग में लाकर अथवा उनका निरीक्षण कर उनमें पाई जाने वाली समानता अथवा अंतर के अनुसार वस्तुएँ अलग करना । • २० रूपये तक की राशि दर्शाने के लिए खेल में प्रयुक्त किए जाने वाले रूपयों का उपयोग करना । • कक्षा में आकृतिबंध (प्रारूप) पर चर्चा का आयोजन करना और उन्हें अपनी भाषा में अभिव्यक्त करने देना, आगे क्या आएगा; इसे विद्यार्थी ढूँढ़ेंगे और उसका स्पष्टीकरण देंगे । • दिखने वाली अथवा किसी घटना/ संदर्भ में आने वाली वस्तुओं की जानकारी एकत्रित करना और उनका निरीक्षण करना।	• १, २, ३, ४, ५, ... • १, ३, ५, ... • २, ४, ६, ... • १, २, ३, १, २, ... , १, ... , ३, ... 01.71.12 आकृतियों / संख्याओं का प्रयोग करते हुए किसी चित्र के संबंध में सामान्य सूचनाओं का अर्थ लगाते हैं, लिखते हैं तथा उनका अर्थ बताते हैं । जैसे किसी बाग के चित्र को देखकर विद्यार्थी विभिन्न फूलों को देखते हुए यह अनुमान लगाते हैं कि एक विशेष रंग के फूल अधिक हैं । 01.71.13 शून्य की अवधारणा को समझते हैं ।

शिक्षकों के लिए सूचना

गणित विषय यह प्रारंभ से ही विद्‌यार्थी के लिये पसंदीदा, मजेदार होना चाहिए, कठीन अथवा घबराने वाला नहीं इसके लिए हम प्रयत्न करेंगे । किताब में दिए गए गानों का अध्यापन करते समय उसमें दिए खेलों का आनंद विद्यार्थी लेते हैं या नहीं यह देखना चाहिए। वस्तुओं को गिनने के लिए एक से दस और बाद में ग्यारह से बीस तक की संख्याओं को क्रम से बोलना आना चाहिए । **विभिन्न वस्तुओं की गिनती का सर्वाधिक (ज्यादा से ज्यादा) अभ्यास होना अपेक्षित है ।** छोटी संख्याओं के जोड़ का अभ्यास अँगुलियों की सहायता से करना आता है । किताब में हर जगह अध्यापकों के लिए छोटे अक्षरों में सूचना दी गई है ।

दो अंकोवाली संख्याओं का पठन दो प्रकार से दिया गया है । उदाहरणार्थ, सत्ताईस और बीस सात, तिरसठ और साठ तीन । इनमें याद करना नहीं है और बोलने तथा लिखने का क्रम एक ही है । (बीस सात में पहले बीस के लिए दो बाद में सात) इसलिए यह पद्‌धति अधिक सरल लग सकती है । विद्यार्थियों को जिसका वाचन सरल लगता है उसे उसने किया तो भी चलेगा ।

अनुक्रमणिका

विभाग एक

- छोटा – बड़ा १
- पीछे – आगे २
- ऊपर – नीचे ३
- पहले – बाद में ४
- एक – अनेक ५
- अंतर परिचय ६
- १ का परिचय तथा लेखन ७
- २ का परिचय तथा लेखन ८
- ३ का परिचय तथा लेखन ९
- ४ का परिचय तथा लेखन १०
- ५ का परिचय तथा लेखन ११
- ६ का परिचय तथा लेखन १३
- ७ का परिचय तथा लेखन १४
- ८ का परिचय तथा लेखन १५
- ९ का परिचय तथा लेखन १६
- शून्य का परिचय तथा लेखन २१
- कम – अधिक २४
- चढ़ता – उतरता क्रम २६
- आओ, जोड़े २७
- आओ, घटाना सीखें ३२
- १० का परिचय तथा लेखन ३८
- दहाई समझें ३९
- ११ से २० का परिचय तथा लेखन ... ४०
- दहाई कूद ४६
- सिक्के – नोट ४७

विभाग दो

- २१ से ३० का परिचय तथा लेखन ... ४९
- ३१ से ४० का परिचय तथा लेखन ... ५०
- ४१ से ५० का परिचय तथा लेखन ... ५२
- ५१ से ६० का परिचय तथा लेखन ... ५३
- ६१ से ७० का परिचय तथा लेखन ... ५४
- ७१ से ८० का परिचय तथा लेखन ... ५५
- ८१ से ९० का परिचय तथा लेखन ... ५६
- ९१ से ९९ का परिचय तथा लेखन ... ५७
- सैकड़े का परिचय तथा लेखन ५९
- जोड़ – २० तक ६०
- जोड़िए और मिलाइए ६१
- आकृति बंध ६२
- अंदर – बाहर, चौड़ा – सँकरा ६३
- आकारों का परिचय ६४
- लंबा – छोटा ६५
- सबसे लंबा – सबसे छोटा ६६
- ऊँचा – ठिगना (छोटा) ६७
- सबसे ऊँचा – सबसे ठिगना ६८
- भारी – हल्का ६९
- दूर – पास ७०
- बायाँ – दायाँ ७१
- कम समय – अधिक समय ७२
- किसके बाद क्या? ७३
- आओ, गिनें ७४
- सप्ताह के दिन ७५
- आओ देखें, सूचना पढ़कर क्या समझ में आता हैं ७६

छोटा **बड़ा**

छोटी घड़ी के नीचे ☐ रंगो ।

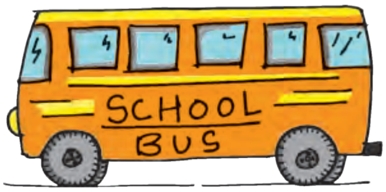

बड़ी गाड़ी के नीचे ☐ रंगो ।

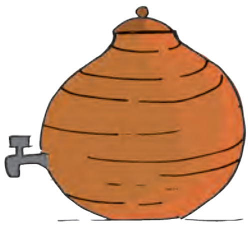

छोटे बर्तन के नीचे ☐ रंगो ।

बड़ी गेंद के नीचे ☐ रंगो ।

पीछे आगे

परदे के पीछे छिपे बच्चे के नीचे ☐ रंगो ।

आगे आये झूले के नीचे ☐ रंगो ।

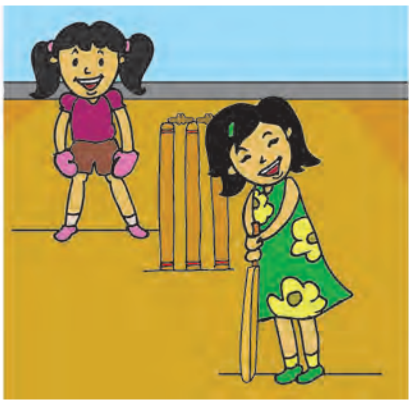

स्टंप के आगे खड़ी लड़की के नीचे ☐ रंगो ।

ऊपर नीचे

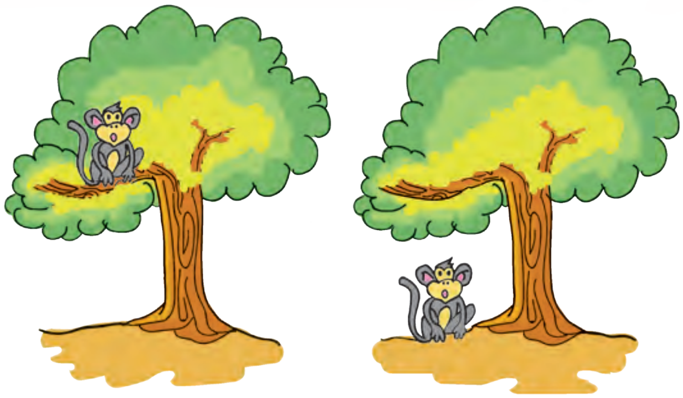

पेड़ के नीचे बैठे बंदर को ◯ करो ।

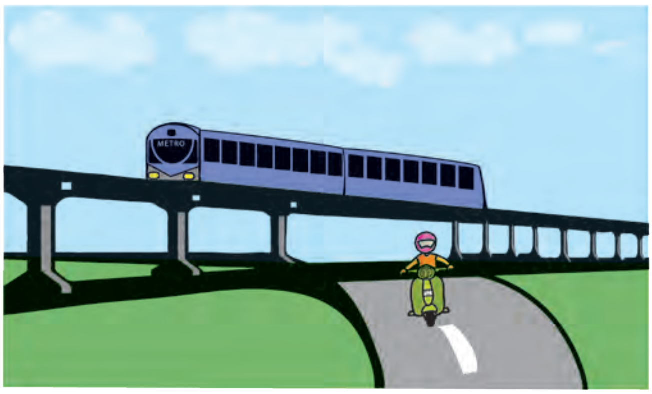

पुल के ऊपर स्थित वाहन को ◯ करो ।

बल्ब के नीचे रखी वस्तु को ◯ करो ।

पहले बाद में

माँ ने **पहले** रोटी बनाई । **बाद में** सेंका ।

रमा ने **पहले** मोजे पहने । **बाद में** जूते पहने ।

यश **पहले** हेल्मेट पहनता है । **बाद में** साइकिल चलाता है ।

एक–अनेक

एक वस्तुवाली आकृति
को (   ) करो ।

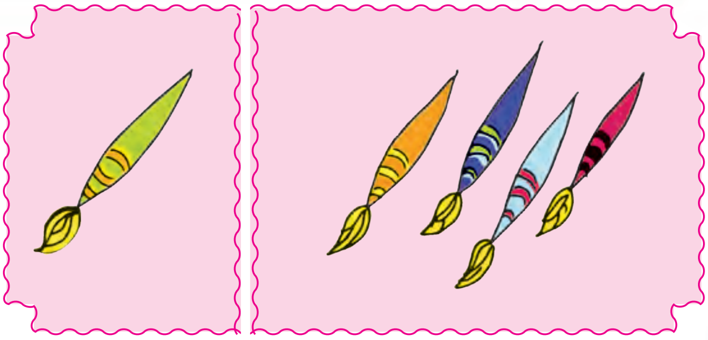

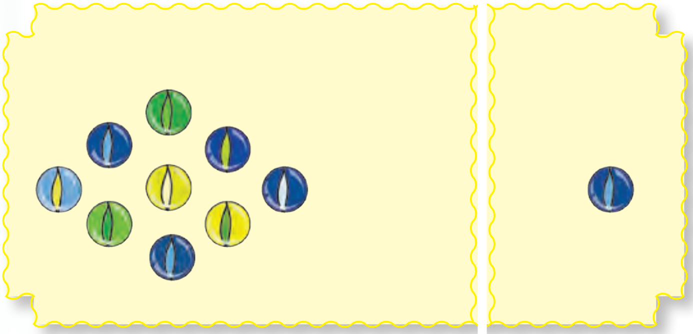

अनेक वस्तुओंवाली आकृति
को (   ) करो ।

एक ही फूलवाली आकृति
को (   ) करो ।

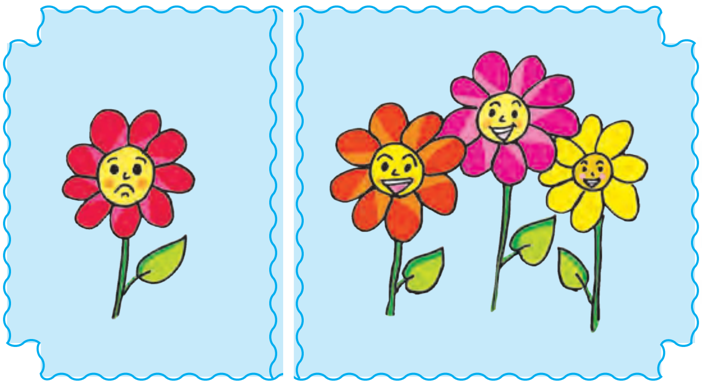

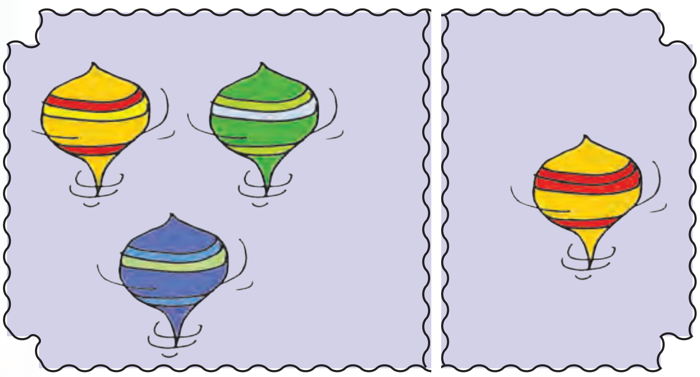

अनेक वस्तुवाली आकृति
को (   ) करो ।

अंतर पहचानो

दोनों चित्रों का निरीक्षण कर, उनमें अंतर पहचानकर बताओ ।

8R5BNH

१ का परिचय तथा लेखन

१

१ एक

एक

तोते की चोंच एक
चुटकी बजाओ एक

एक चित्र बनाओ ।

एक बनाओ और रंगो ।

एक बनाओ और रंगो ।

१	१	१	१	१	१
१					

२ का परिचय तथा लेखन

२

२ एक और एक दो

दो

खरगोश के कान दो

ताली बजाओ दो

दो चित्र बनाओ ।

दो ◯ बनाओ ।

दो ▢ बनाओ ।

२	२	२	२	२	२
२					

३ का परिचय तथा लेखन

३

तीन

दो और एक तीन

रिक्शा के पहिए तीन
चक्कर लगाओ तीन

तीन मनके बनाओ ।

तीन रंगो । तीन रंगो । तीन रंगो ।

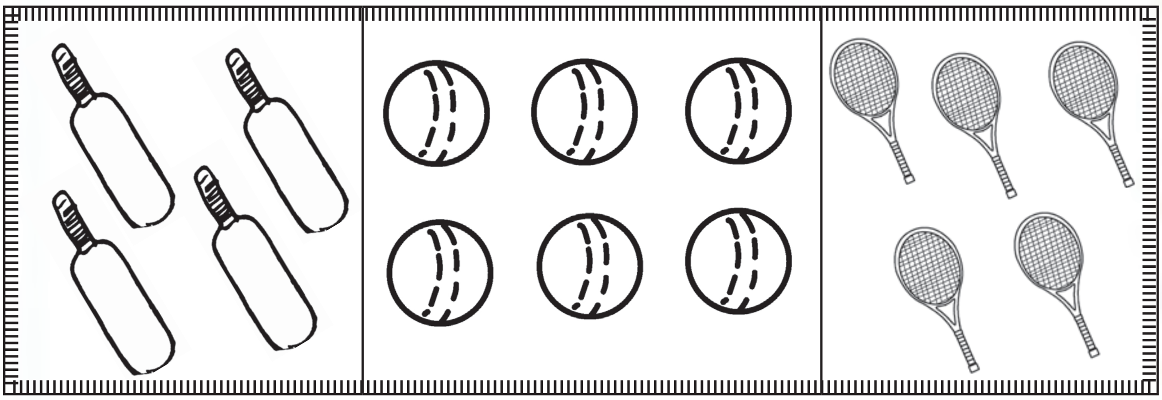

३	३	३	३	३	३
३					

४ का परिचय तथा लेखन

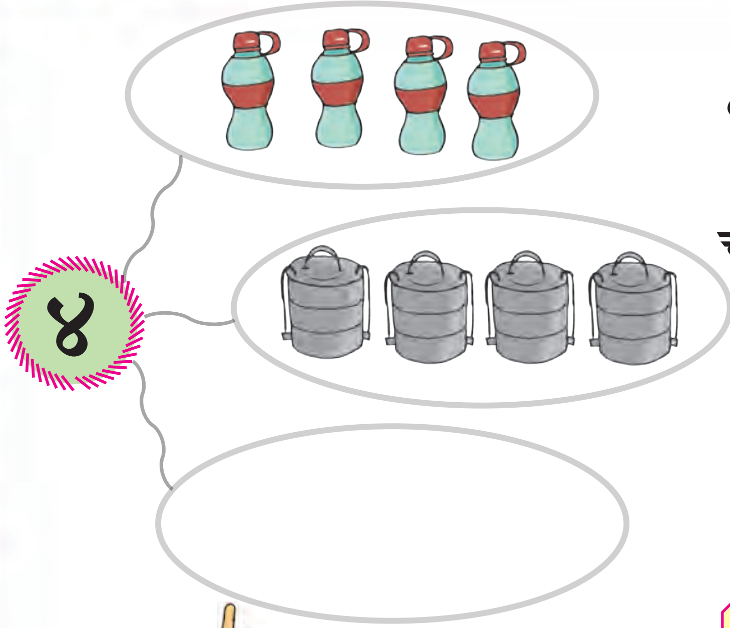

तीन और एक चार

४

चार

गाड़ी के पहिए चार
कूद लगाओ चार

चार मनके बनाओ।

चार रंगो। चार रंगो। चार रंगो।

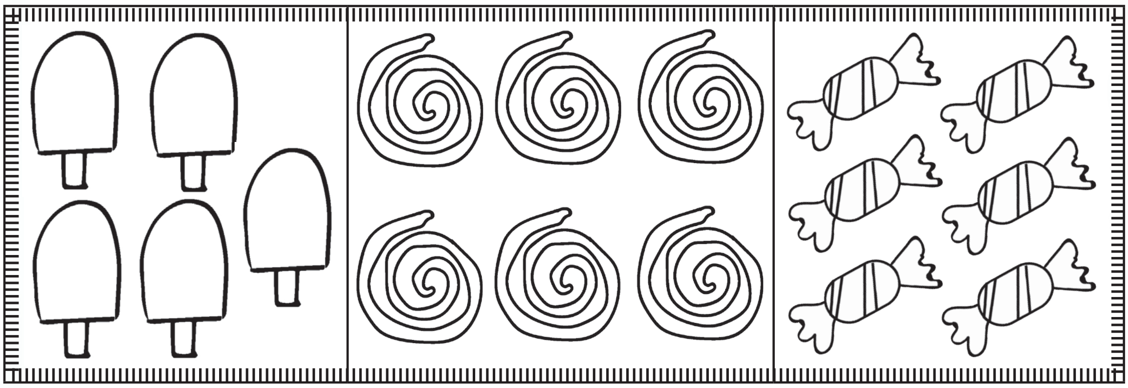

४	४	४	४	४	४
४					

५ का परिचय तथा लेखन

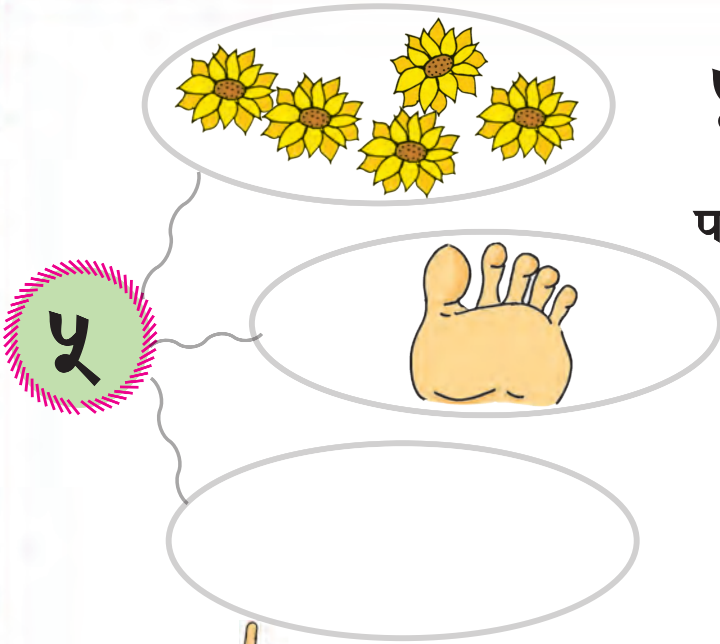

५

पाँच

चार और एक पाँच

हाथ की अँगुलिया पाँच
यश करता है नाच

पाँच मनके बनाओ ।

पाँच रंगो । पाँच रंगो । पाँच रंगो ।

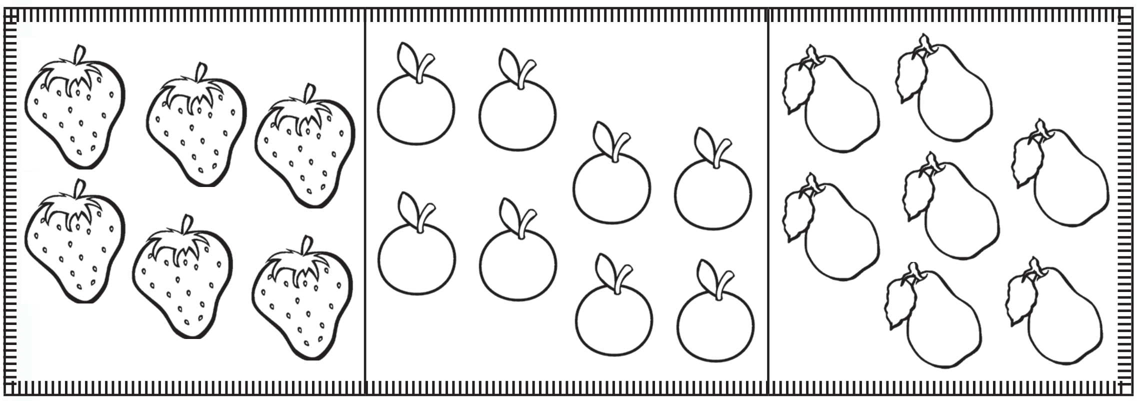

५	५	५	५	५	५
५					

शिक्षकों के लिए सूचना

अंको के गीत और अँगुलियों पर टोपियाँ

रंगीन कागजों की गोल चकती लगभग ५ सेमी व्यासवाली काटकर प्रत्येक के तीन भाग कीजिए । चिकटपट्टी का टुकडा लेकर प्रत्येक टुकडे की टोपी बनाइए । टोपी बनाते समय बच्चों को शामिल कीजिए । अँगुली पर टोपी पहनने पर बच्चों को आनंद आएगा । उनको टोपियों की अदला-बदली करने आएगा । बाद में नीचे दिए गए गाने के टेकपर बोलना सिखाइए । एक से दस संख्या क्रम से बोलना आ जाने पर वस्तुओं को गिनना संभव होता है । गाने द्वारा एक से दस संख्या क्रम से बोलने का अभ्यास होगा ।

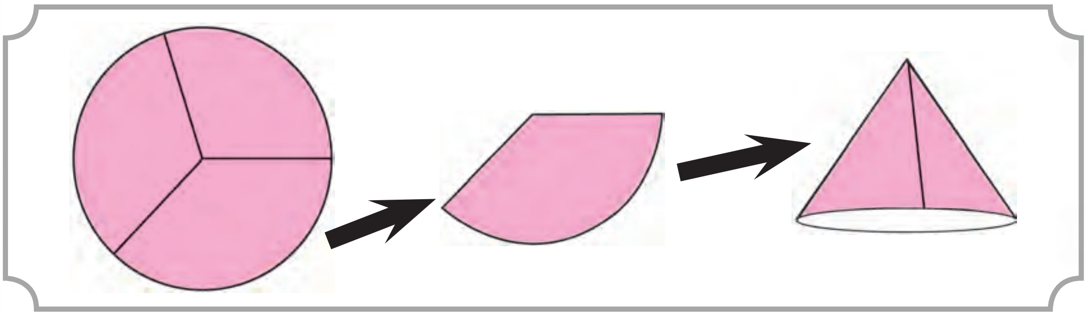

एक दो तीन, चार पाँच छः, सात आठ नौ,
दस टोपियाँ रखी यहाँ
पहनाओ इन्हें एक-एक,
तो सज जायेंगी दस अँगुलियाँ ।।

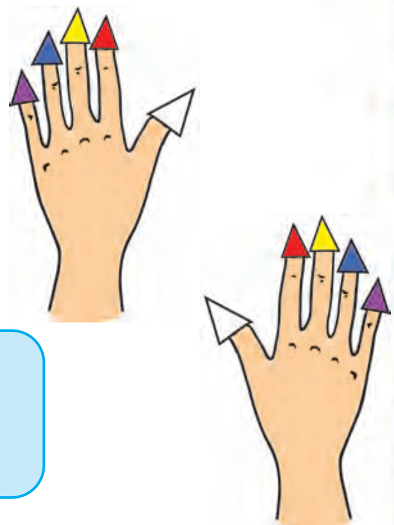

चढ़ा देंगे, अँगुली-अँगुली पर, कागज की, टोपी न्यारी
लाल पीली, नीली, हरी, या सफेद सबकी प्यारी ।।

कितनी अब हैं टोपियाँ, गिनके बोलो, सही सही
प्रत्येक अँगुली पर हों, टोपियाँ, तो भी हैं ये दस ही ।।

8RE7QA

६ का परिचय तथा लेखन

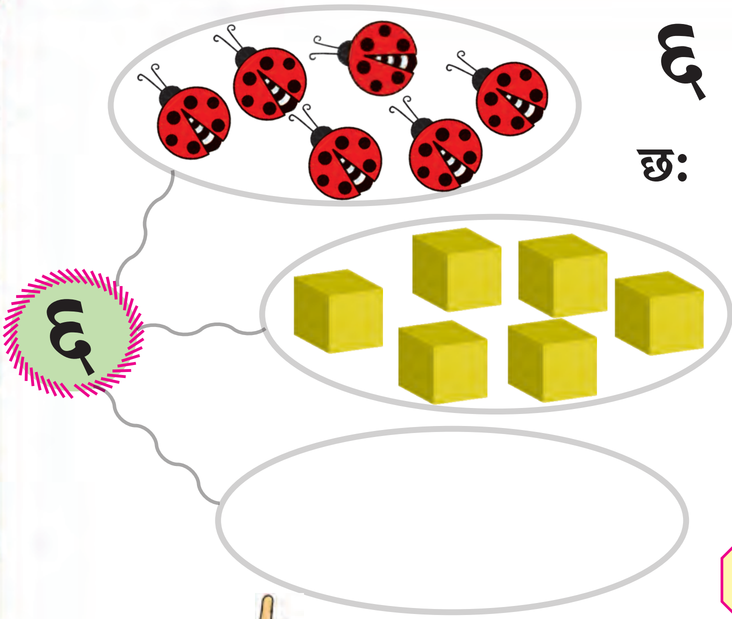

६

छः

पाँच और एक छः

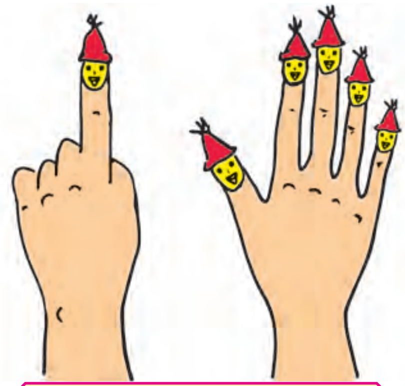

छः पैर तिलचट्टे के
चाहे तो देखो गिनके

छः मनके बनाओ

डोरी को ऐसी रखो कि उसके भीतर छः वस्तु आ जाय ।

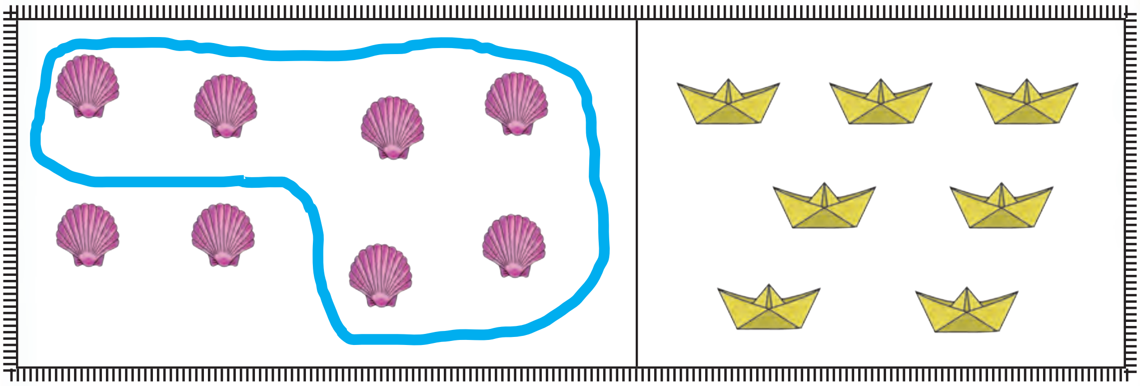

६	६	६	६	६	६
६					

७ का परिचय तथा लेखन

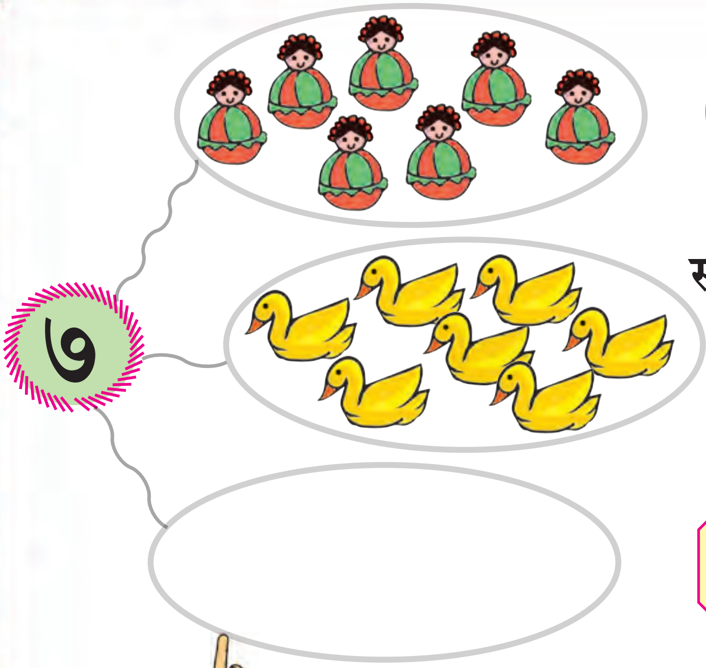

छः और एक सात

७

सात

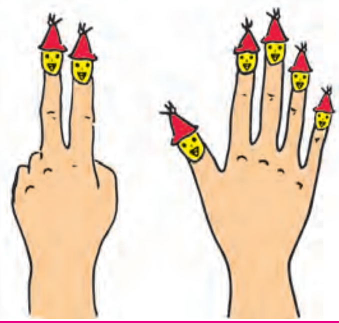

इंद्रधनुष के रंग सात
बच्चे के लिए नर्म नर्म मीठा भात

सात मनके बनाओ ।

डोरी ऐसे रखो कि उसके अंदर सात वस्तु आ जाय ।

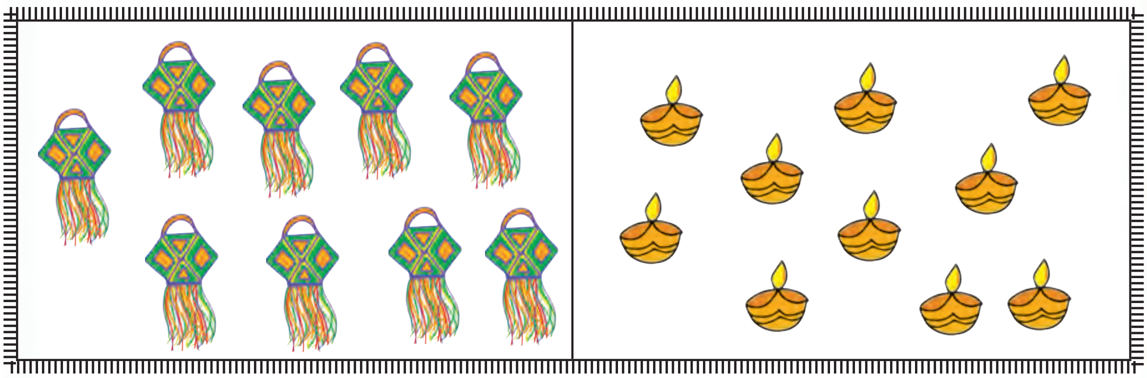

७	७	७	७	७	७
७					

८ का परिचय तथा लेखन

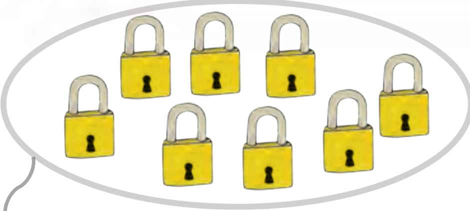

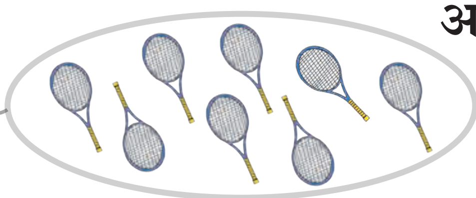

८

आठ

सात और एक आठ

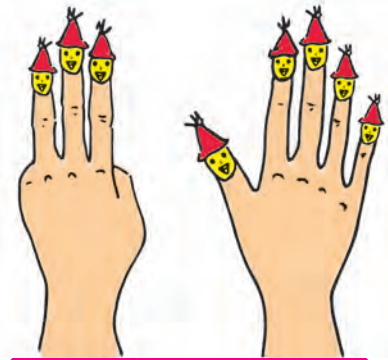

छाते की तीलियाँ आठ
बारिश की देखें बाट

आठ मनके बनाओ ।

डोरी ऐसी रखो कि उसके अंदर आठ वस्तु आ जाय ।

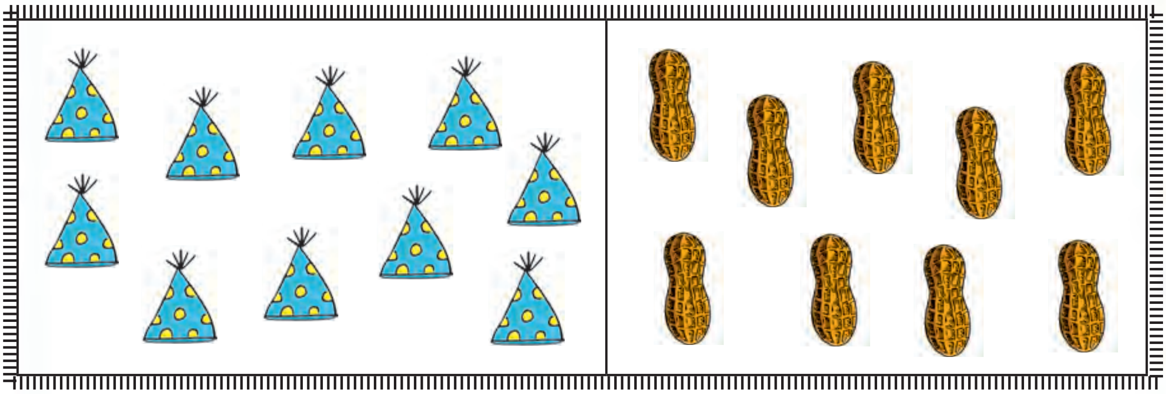

८	८	८	८	८	८
८					

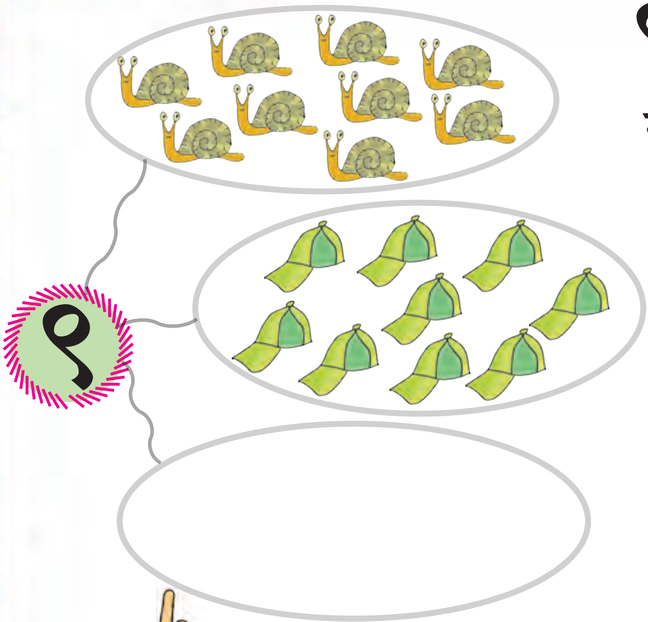

९
नौ

आठ और एक नौ

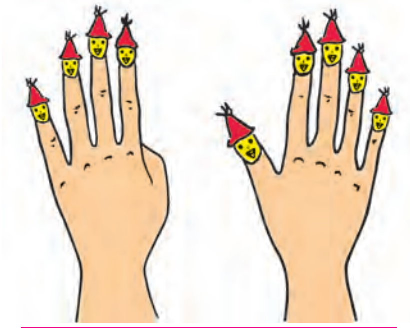

घड़ी में बज गए नौ
कुत्ता बोला भौं

नौ मनके बनाओ ।

डोरी ऐसी रखो कि उसके अंदर नौ वस्तु आ जाय ।

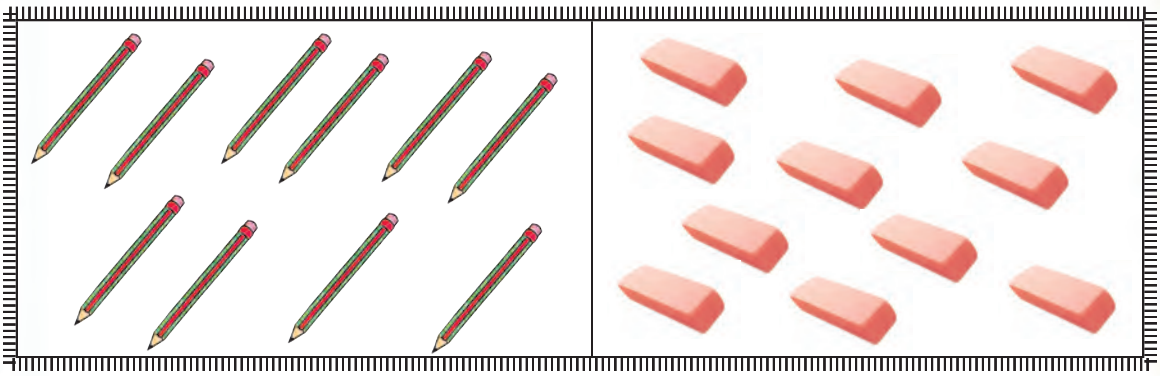

९	९	९	९	९	९
९					

एक से नौ का अभ्यास

१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९ इन चिन्हों को अंक कहते हैं ।

अंक लिखने का अभ्यास करो ।

१									
२									
३									
४									
५									
६									
७									
८									
९									

क्रमिक संख्याओं के तोरण के
रिक्त चौखट में उचित संख्या लिखो ।

		३				७		

गिनो तथा उचित संख्या के चारों ओर ◯ करो ।

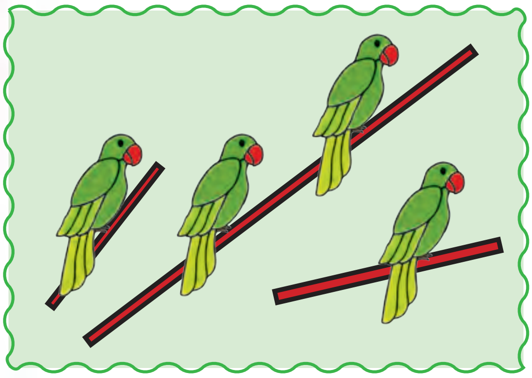

४ ७ ३ ५

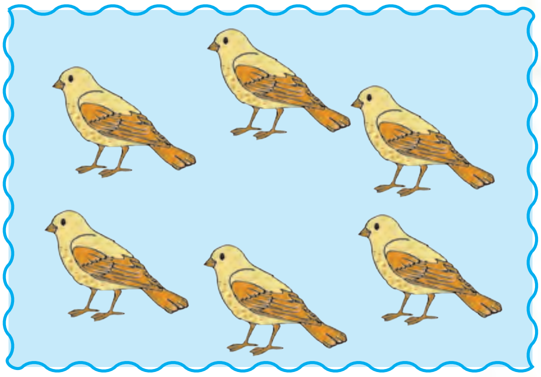

३ ७ ६ ८

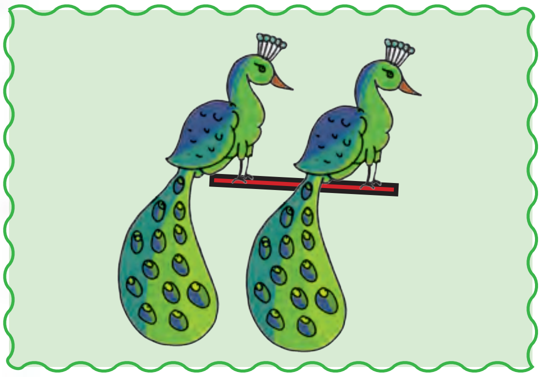

४ २ ३ ५

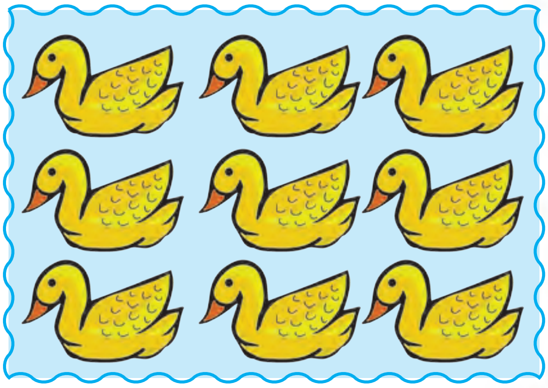

८ ७ ९ ६

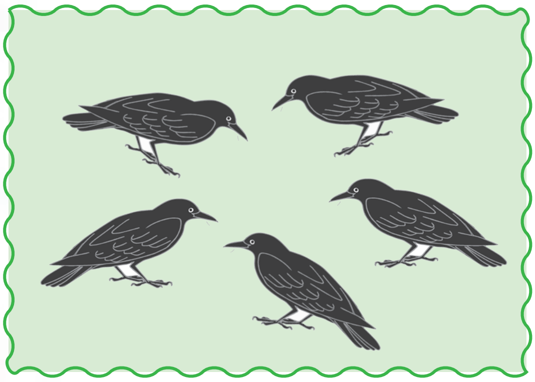

२ ५ ४ ३

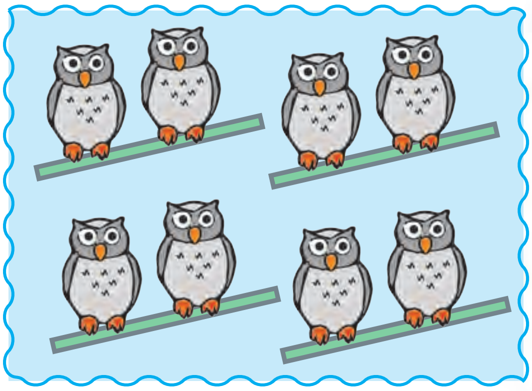

७ ८ ९ ६

गिनो और लिखो

पक्षी के पंख
कितने ? ◯

इंद्रधनुष में रंग
कितने ? ◯

रिक्शा के पहिए
कितने ? ◯

स्लेट के कोने
कितने ? ◯

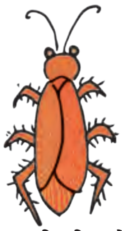

तिलचट्टे के पैर
कितने ? ◯

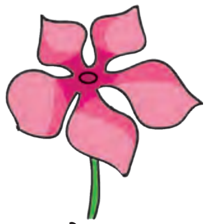

सदाबहार के फूल की
पंखुड़ियाँ कितनी ? ◯

ऑक्टोपस के पैर
कितने ? ◯

कप के कान
कितने ? ◯

● गिनकर लिखो ।

चित्र	संख्या	
	अंको में	अक्षरों में
●	१	एक
●●		दो
●●●		तीन
●●●●		चार
●●●●●		पाँच

चित्र	संख्या	
	अंको में	अक्षरों में
●●●●●●		छः
●●●●●●●		सात
●●●●●●●●		आठ
●●●●●●●●●		नौ

चित्र को अच्छी तरह देखो ।

वस्तु गिनकर उनकी संख्या गोले में लिखो ।

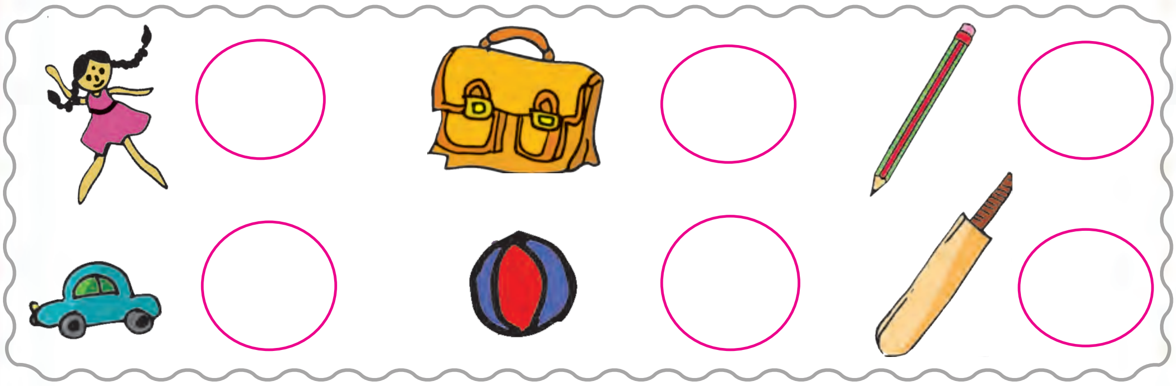

8RN3RX

शून्य का परिचय तथा लेखन

शून्य ० ऐसा लिखते हैं ।

बस के लिए ☐ यात्री खड़े हैं ।

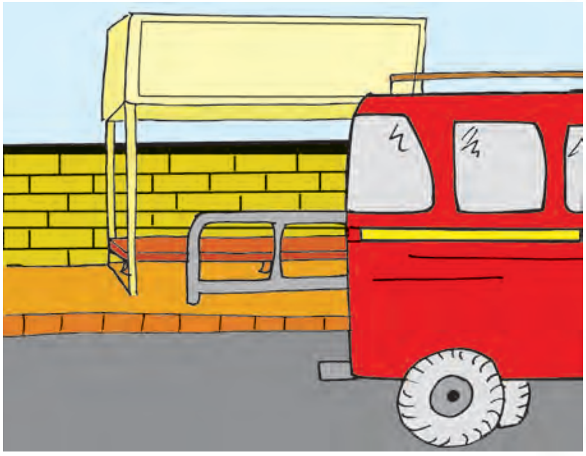

☐ यात्री बस में गए ।
बचे शून्य यात्री ।

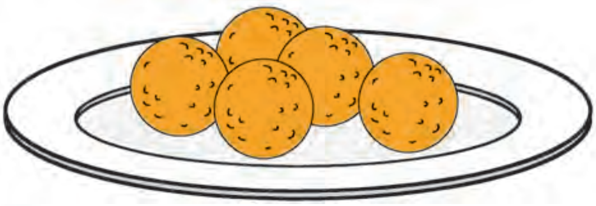

सफेद तस्तरी में ☐ लड्डू हैं ।

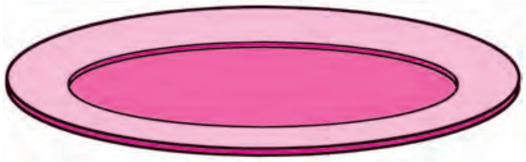

गुलाबी तस्तरी में लड्डू नहीं है ।
अर्थात उसमें ☐ लड्डू हैं ।

शिक्षकों के लिए सूचना

एक टिन का डिब्बा लीजिए । उस डिब्बे में कंकड डालिए तथा डिब्बे को हिलाइए । डिब्बे से आनेवाली आवाज बच्चों को सुनने दीजिए । बाद में डिब्बे के कंकड़ निकाल दीजिए । फिर डिब्बे को हिलाइए । डिब्बे से आवाज क्यों नहीं आयी यह बच्चों से पूछिए । शून्य अर्थात एक भी नही यह ध्यान में आने दें ।

8RHYTK

शून्य अर्थात कुछ भी नहीं ।

आओ तितलियाँ गिनें !

यश की गिनती सही है क्या ?

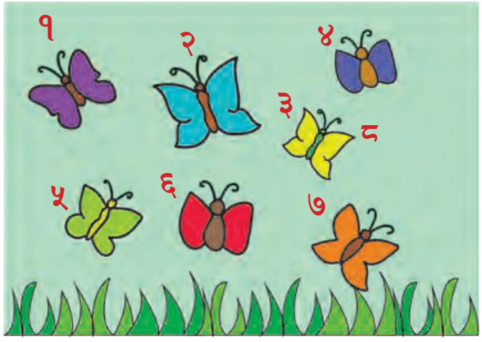

रमा की गिनती सही है क्या ?

मदद कर उनको गिनने में
जादूगर कटफोड़वा (चंद्रकांत) पक्षी आया,
उसने तितलियों को
एक ही कतार में खड़ा करवाया ।

अब गिनती आसान हुई क्या ?
कितनी तितलियाँ हैं ?

क्या मैदान पर खेलनेवाले बच्चों को गिनने की अपेक्षा कतार में खड़ा करके उन बच्चों की गिनती करना आसान होता है ?

शिक्षकों के लिए सूचना उपर्युक्त मुद्दे पर विद्यार्थियों में चर्चा कराइए ।

१ से ९ अंक निम्न प्रकार से लिखे जा सकते हैं ।

१	२	३	४	५	६	७	८	९

यशने अंक तथा चित्र की जोड़ी लगायी है । शेष जोड़ियाँ तुम लगाओ ।

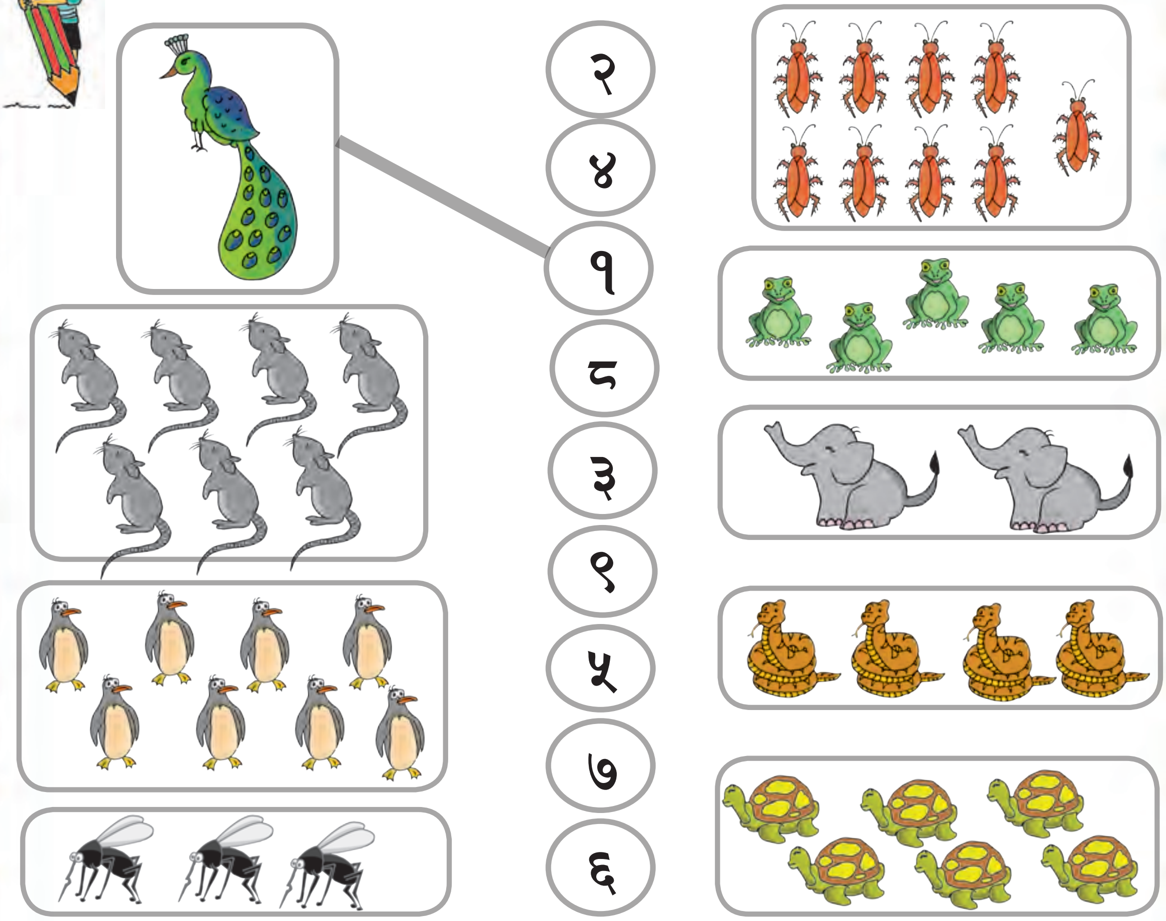

१ से ९ को क्रम से लगाने में रमा की मदद करो ।

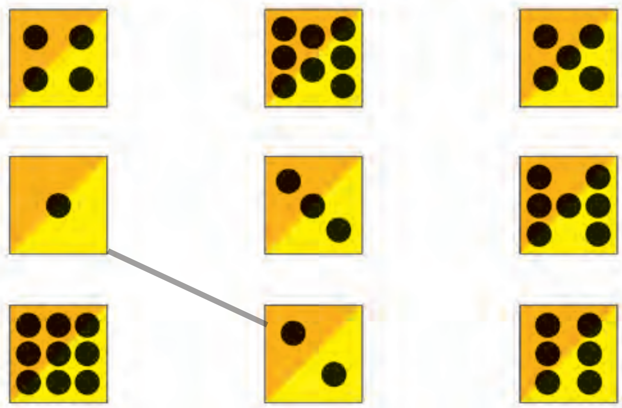

थोड़ा मनोरंजन ...

अपना नाम लिखो । उसमें कितने अक्षर हैं ? दोस्त, सहेली के नाम में कितने अक्षर हैं । सबसे अधिक अक्षर किसके नाम में हैं ? पाँच अक्षरवाला नाम कौन-सा है ?

कम अधिक

अधिक बच्चों के नीचे ☐ रंगो ।

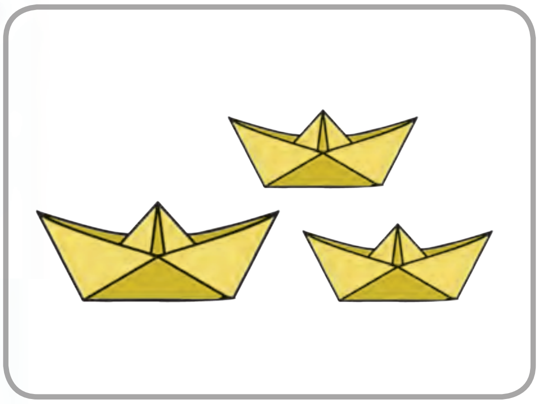

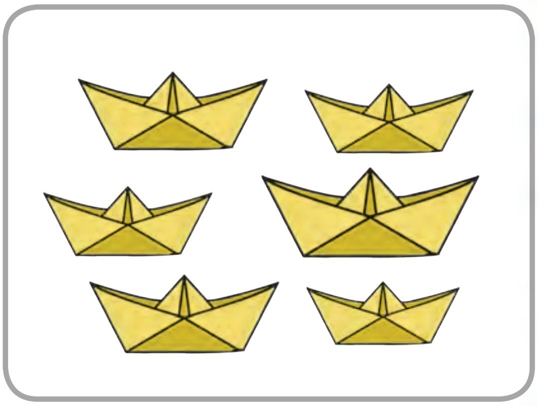

कम नावों के नीचे ☐ रंगो ।

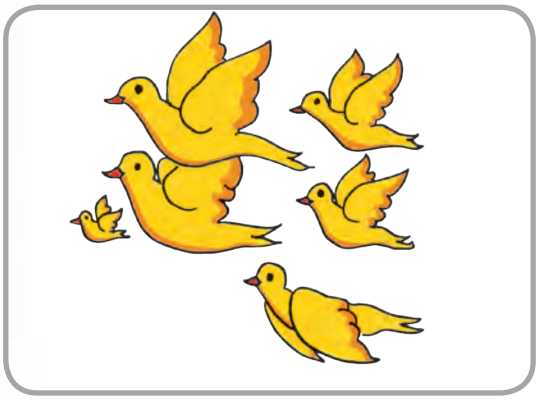

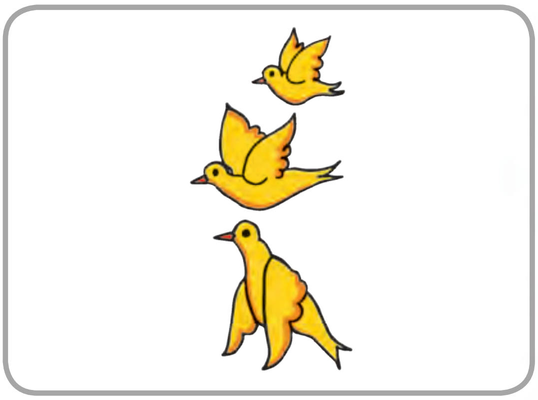

अधिक पक्षियों के नीचे ☐ रंगो ।

एकैकी संगति

नावों की एकैकी संगति लगाओ ।

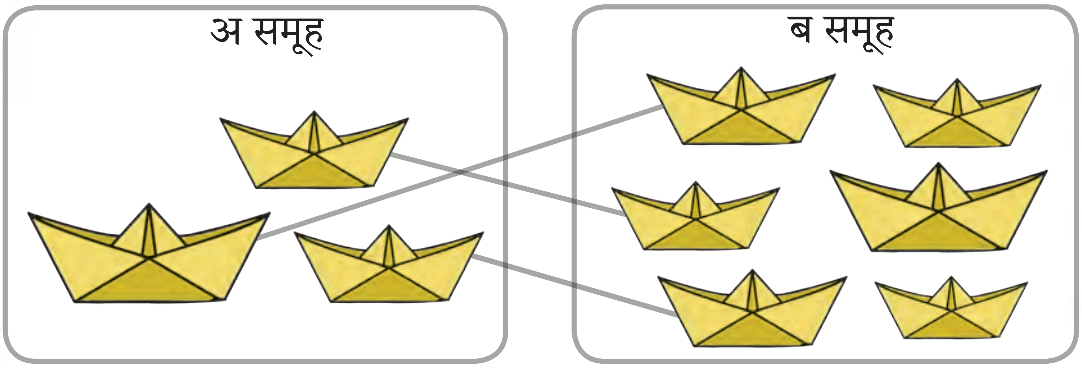

रेखा द्वारा एक से एक की जोड़ी लगाने के बाद अ समूह की नावें खत्म हो गयीं । ब समूह की नावें बच गयीं । ब समूह में नाव अधिक हैं ।

एकैकी संगति द्वारा कम अधिक निश्चित करते हैं ।

'अ' और 'ब' समूह के नावों की एकैकी संगति लगाकर देखो ।

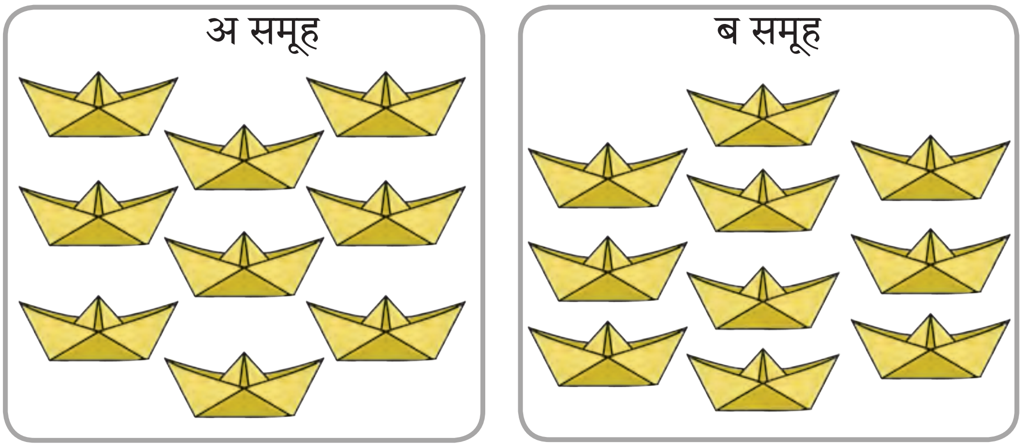

कौन-से समूह की नाव समाप्त हो गयी ?

जिस समूह की नाव सबसे कम है । उसके नीचे चौखट को रंगो ।

समझ लो...

अधिक नाव होने पर रेखा से एक-एक जोड़ी लगाकर कम नाव और अधिक नाव को पहचानना आसान होता है ।

चढ़ता – उतरता क्रम

रमा के पास के गुटके गिनो ।
वह संख्या चित्र के नीचे लिखो ।
संख्या के बराबर गुटकों का मीनार बनाओ ।

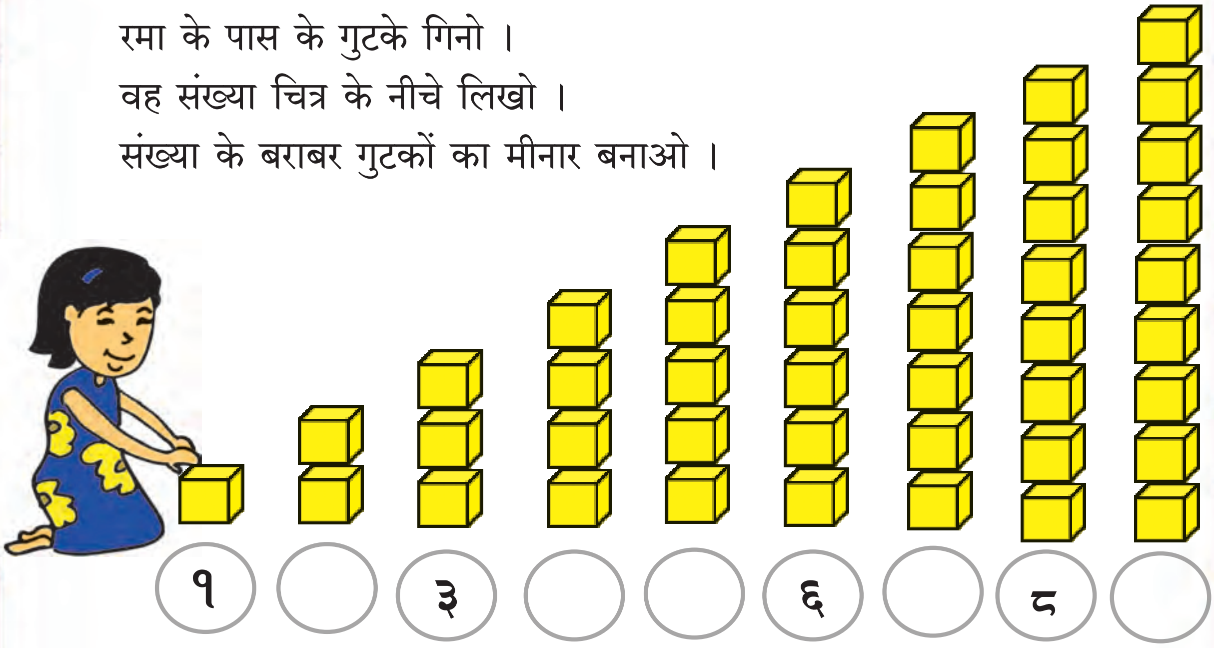

हमने १ से ९ तक संख्या चढ़ते क्रम में सीखा ।
वही संख्या उल्टे क्रम में अर्थात् उतरते क्रम में लिखा जायेगा ।

उतरते क्रम में लिखी संख्या देखो ।

चढ़ते क्रम में लिखो ।

उतरते क्रम में लिखो ।

8S6UV8

आओ, जोड़ें

यह मेरा गुटका

यह मेरा

रमा के पास १ गुटका है ।

यश के पास १ गुटका है ।

दोनों के मिलकर २ गुटके हुए ।

दो संख्या मिलाने के लिए अर्थात् उनको जोड़ने के लिए + चिन्ह का उपयोग करते हैं । इसे 'धन' पढ़ते हैं । = यह चिन्ह बराबर दर्शाता है । इसका वाचन 'बराबर' करते हैं ।

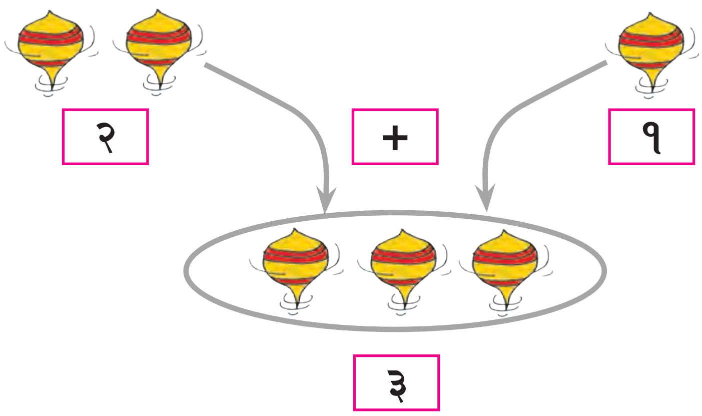

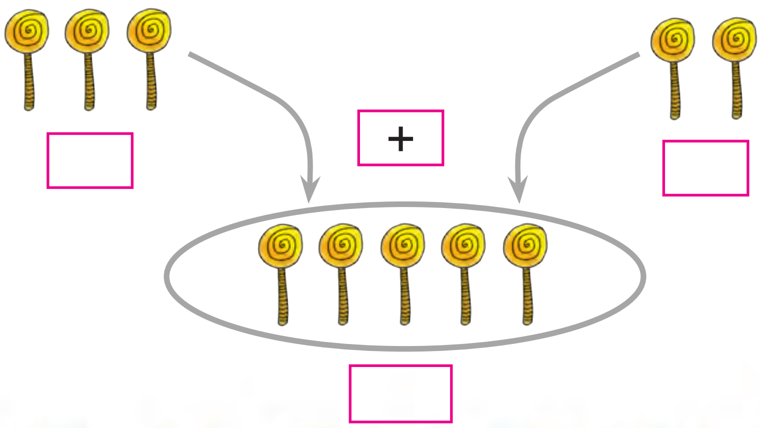

8SFQHV

जोड़ गाड़ी देखो ।

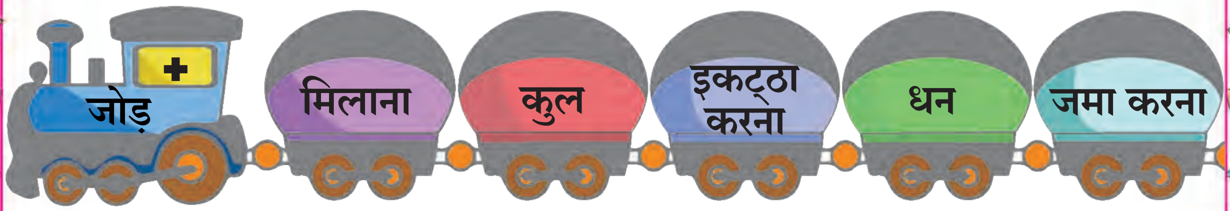

जोड़ दिखाने के लिए और शब्द मिलते है क्या ? उदाहरण के लिए : इकट्ठा करना,

....

संख्या के बराबर मनके निकालो तथा जोड़ो ।

[ ]   [ ]

३   +   २

[ ]

[ ]

चित्र गिनो और जोड़ो ।

३   +   ५   =   [ ]

तीन   धन   पाँच   बराबर   आठ

४   +   ३   =   [ ]

५   +   ४   =   [ ]

४   +   ४   =   [ ]

शून्य मिलाना

जोड़ो, संख्या लिखो तथा उचित चित्र बनाओ ।

२ + ० = २

३ + ० = ☐

१ + ० = ☐

५ + ☐ = ☐

आओ, जोड़ का अभ्यास करें ।

४ + १ = ☐

३ + ५ = ☐

६ + २ ———	७ + ० ———

५ + ☐ = ७

८ + ☐ = ९

२ + ☐ = ५

☐ + ☐ = ८

पढ़ो और हल करो ।

- सलिल के पास ६ चॉक है; हमीद ने उसे ३ चॉक और दिए, अब सलिल के पास कुल कितने चॉक हो गये ?

	६	सलिल के पास चॉक
+	३	हमीद के पास चॉक
	९	कुल चॉक

- केतन के पास ४ बादाम और नेहा के पास ४ बादाम हैं, तो दोनों के पास कुल मिलाकर कितने बादाम होंगे ?

	४	केतन के पास बादाम
+	४	नेहा के पास बादाम
		कुल बादाम

- जोसेफ के पास ७ फूल हैं और ऐंजल के पास २ फूल हैं तो दोनों के मिलाकर कुल कितने फूल होंगे ?

	जोसेफ के पास फूल
	ऐंजल के पास फूल
	कुल फूल

- जिया के पास ५ मणी हैं और परमीत के पास ३ मणी हैं । दोनों के मिलाकर कितने मणी हैं ?

	जिया के पास मणी
	परमीत के पास मणी
	कुल मणी

बीच के गोले की संख्या के बराबर उत्तर वाली पंखुड़ी को रंगो ।

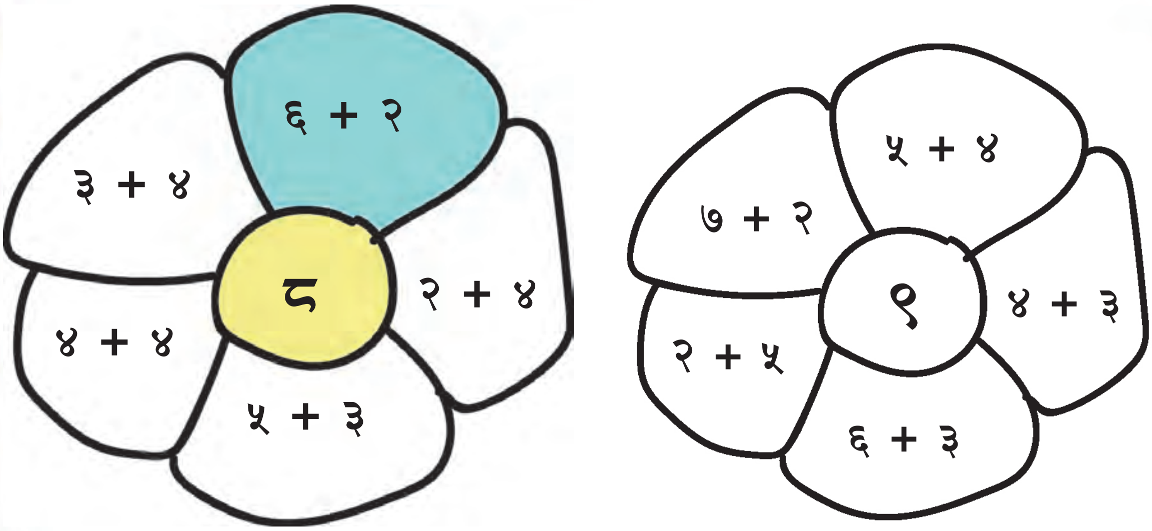

तितली पर लिखी संख्याओं को जोड़कर, उसे उचित फूल से जोड़ो ।

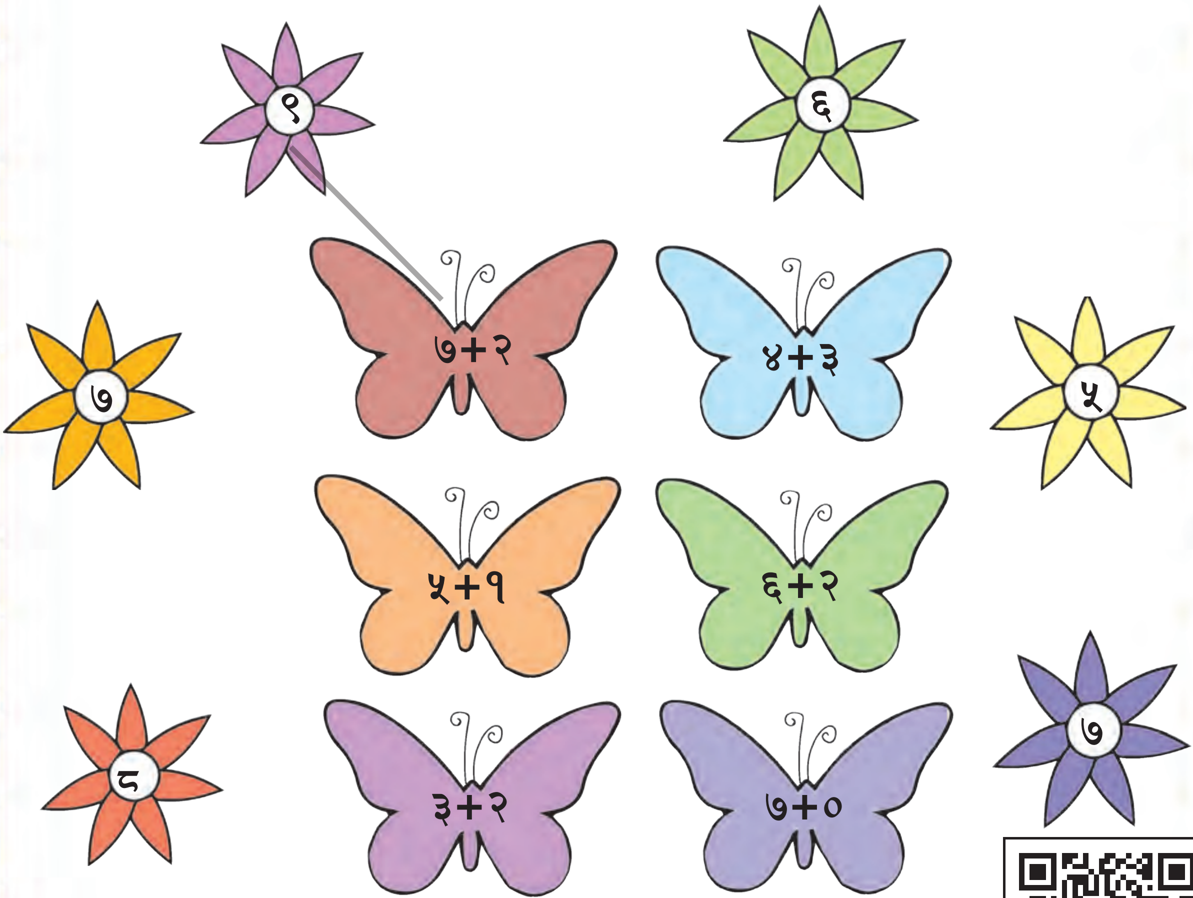

8SPLYI

आओ घटाना सीखें

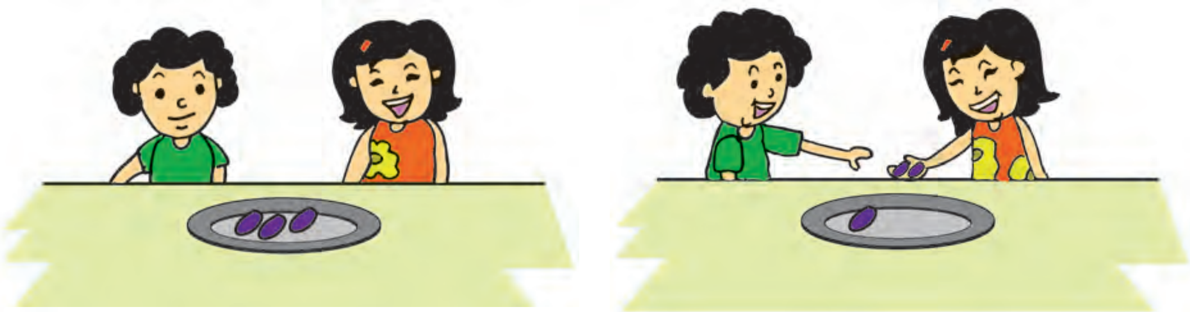

यश के पास ३ जामुन थे । उसने २ जामुन रमा को दिए ।
अब उसके पास कितने जामुन बचे ?

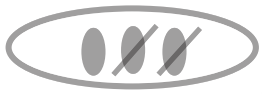

३ − २ = १

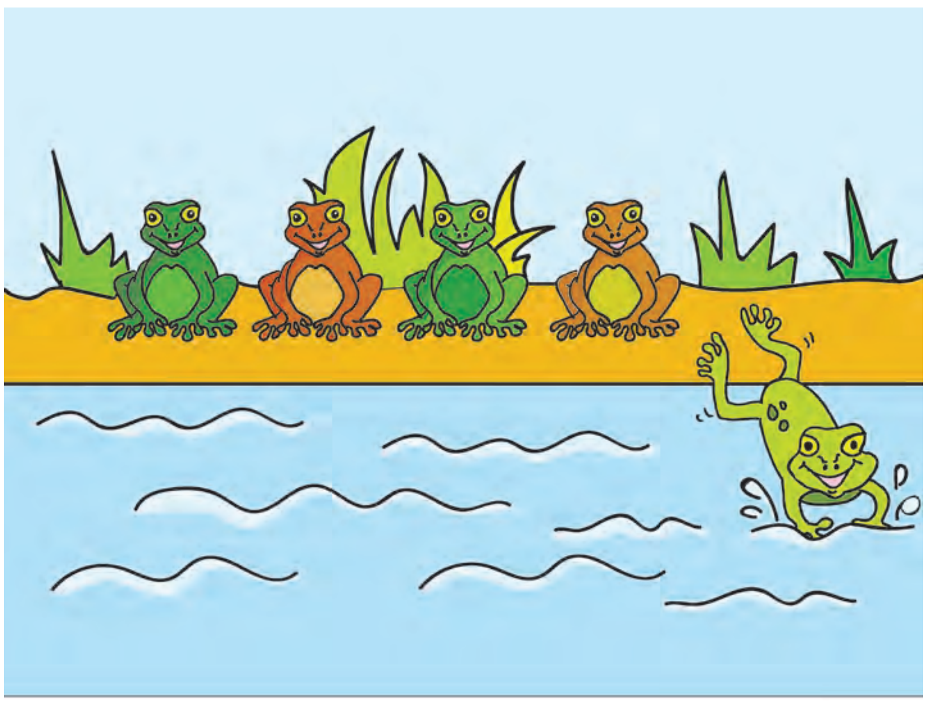

अब इस चित्र को देखा क्या ?
नदी के तट पर पाँच मेढक बैठे थे । एक मेढक अचानक पानी में कुद पड़ा अब तटपर कितने मेढक बचे उसे गिनों ।

५ − १ = ____

	५
−	१

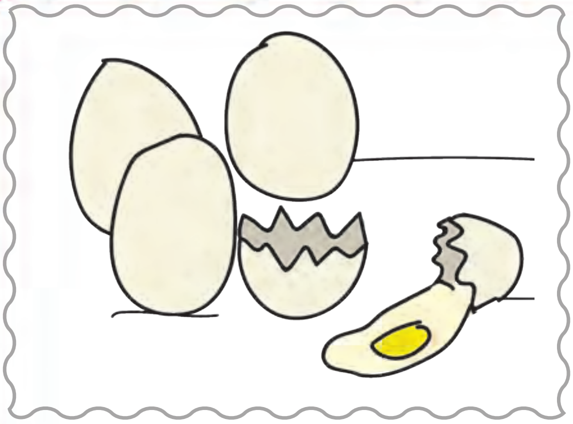

यह अपने दोस्त और सखियों द्‌वारा बनाए गए चित्र हैं उनकी कहानी तुम बताओ ।
तुम भी ऐसा चित्र बनाकर अपने मित्रों-सखियों से कहानी बनाने को कहोगे क्या ?

एक संख्या से दूसरी संख्या कम करने के लिए अर्थात्
घटाने के लिए '−' इस चिन्ह का उपयोग करते हैं
इसे 'ऋण' पढ़ते हैं ।

चित्र देखो और चौखट पूरा करो ।

३ – १ = ☐

४ – २ = ☐

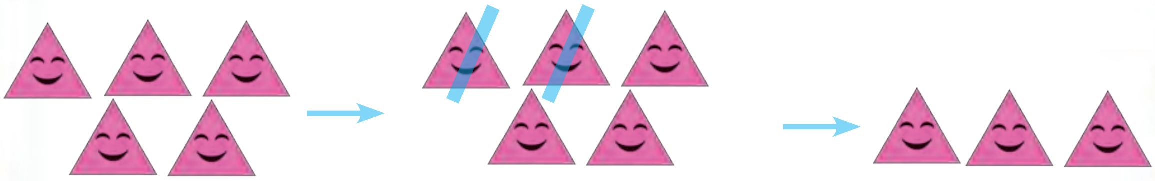

५ – २ = ☐

☐ – ☐ = ☐

8SYI16

बरफी की कहानी

माँ ने डिब्बे में ६ बरफियाँ रखीं । माँ सब्जी लेने बाजार गयी । रमा विद्‌यालय से घर आयी । उसने डिब्बा खोलकर देखा । डिब्बें में उसे ६ बरफियाँ दिखीं । रमा के मुँह में पानी आ गया । उसने उसमें से २ बरफियाँ खा ली । घर लौटने पर माँ ने डिब्बा खोला, तो उसमें चार ही बरफियाँ थी ।

माँ : रमा, तुमने २ बरफियाँ खायी ?

रमा : माँ, मैंने १ बरफी खायी ।

माँ : रमा, तुम सही बोल रही हो न ?

रमा : माँ, मुझे बरफी खूब अच्छी लगी इसलिए मैंने एक बरफी और खा ली ।

माँ : शाबास ! रमा तुमने सही बताया । यह लो एक और बरफी । यह एक बरफी पिताजी को दे दो । एक बरफी दादीजी को दे दो और एक मै खाती हूँ ।

क्या कहानी पसंद आयी ? अब बताओ,

१) माँ ने डिब्बे में कितनी बरफी रखी थी ? ☐

२) रमा ने कितनी बरफी खायी ? ☐

३) माँ ने रमा के सच बोलने पर कितनी बरफी दी ? ☐

४) रमा ने दादीजी एवं पिताजी को मिलाकर कितनी बरफी दी ? ☐

५) माँ ने खुद कितनी बरफी ली ? ☐

६) अंत में डिब्बे में कितने बरफी बची ? ☐

खाली जगह में उचित संख्या लिखो ।

५ - ३ = ☐

२ - १ = ☐

८ − २ = ☐

९ − ५ = ☐

६ - ☐ = १

७ - ३ = ☐

९ - ☐ = ९

☐ - ☐ = ८

पढ़ो और हल करो।

- नगमा के पास ५ बेर थे। उसने ३ बेर सलमा को दिया। अब नगमा के पास कितने बेर शेष बचे ?

५	नगमा के पास बेर
− ३	सलमा को दिए बेर
☐	नगमा के पास बचे बेर

- टोकरी में ९ सीताफल थे। दादाजी ने उसमें से ६ सीताफल मित्रों को खाने के लिए बाँट दिया, तो टोकरी में कितने सीताफल शेष बचे?

९	टोकरी में सीताफल
− ☐	बाँटे गये सीताफल
	शेष सीताफल

- समीरा के पास ३ पेन्सिल थी। समीरा ने १ पेन्सिल सहेली को दिया तो समीरा के पास कितनी पेन्सिल बची?

☐	समीरा के पास पेन्सिल
☐	सहेली को दिये पेन्सिल
☐	बची पेन्सिल

- डिब्बे में ४ लड्डू थे। उनमें से १ लड्डू बलबीर ने खा लिया तो अब डिब्बे में कितने लड्डू बचे ?

☐	डिब्बे में रखे लड्डू
☐	बलबीर ने खाए लड्डू
☐	डिब्बे में शेष लड्डू

अपने मित्रों के हाथ में स्थित संख्याऐं घटाओ ।

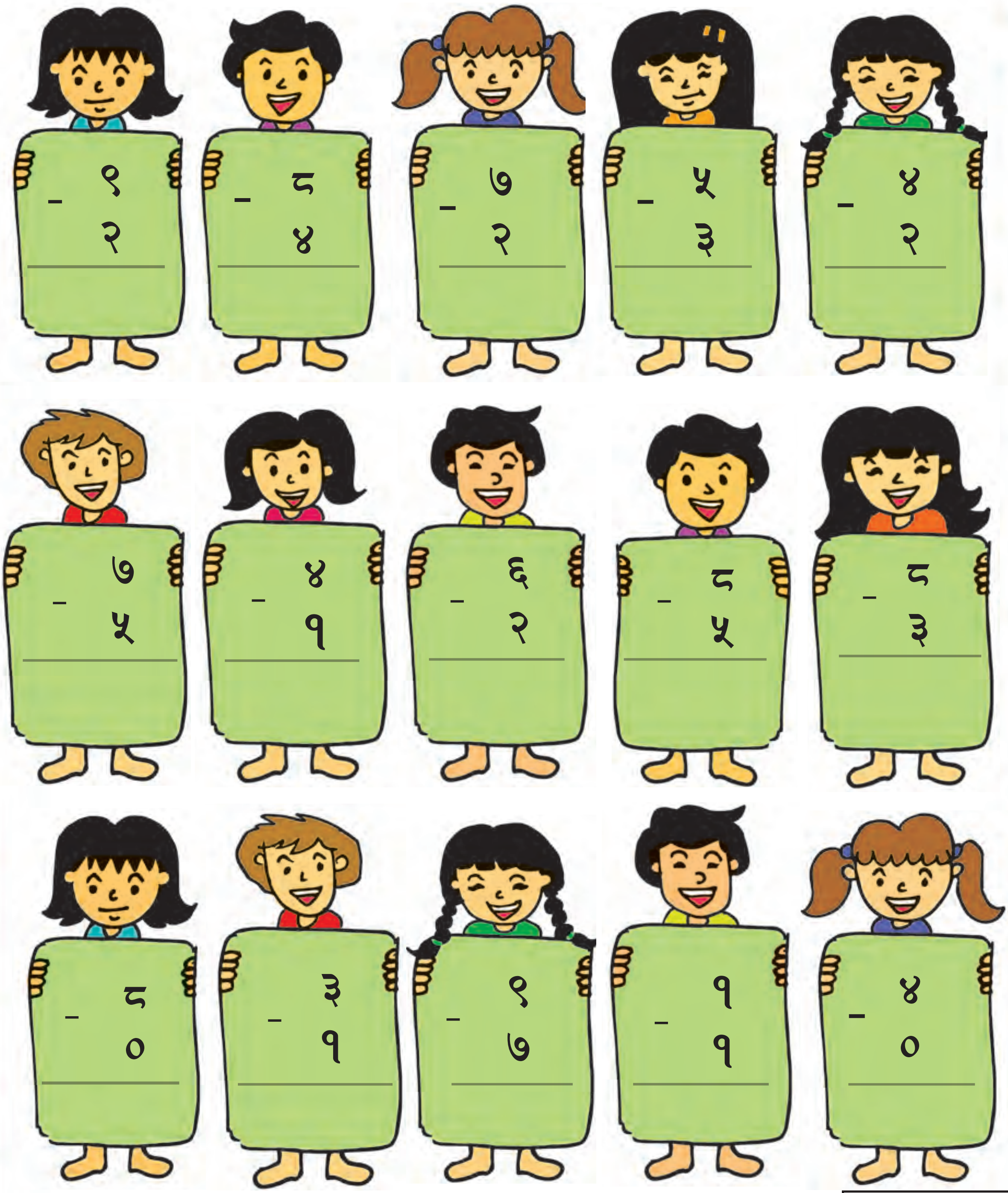

8T8E2T

१० का परिचय तथा लेखन

नौ और एक दस ।

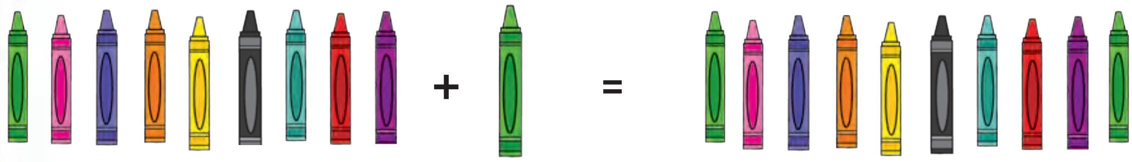

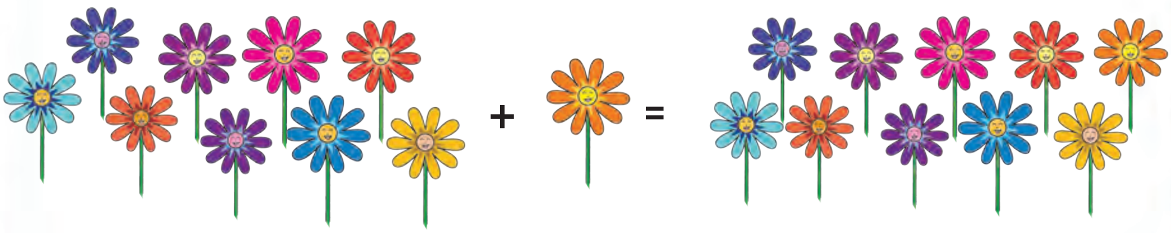

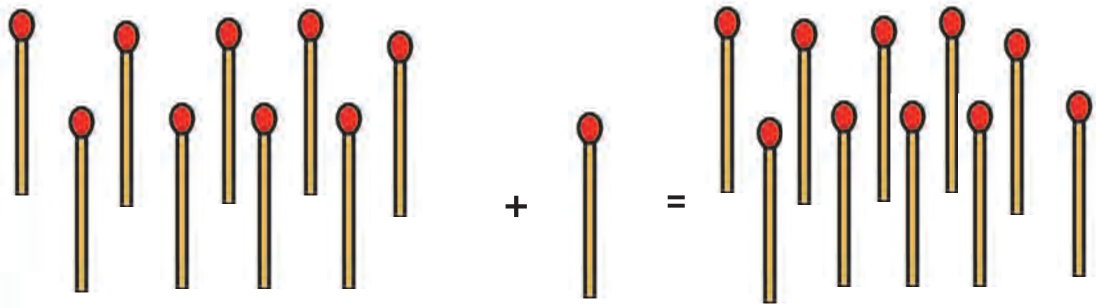

एक से नौ चिन्ह प्रत्येक को,
लंबा गोल दिया शून्य को
नहीं चाहिए नये चिन्ह अब
दर्शाएँ संख्याएँ उन्हीं से सब
दस को नया चिन्ह नहीं चाहिए उसे कैसे लिखना देखें आईए !
दस को १० ऐसा लिखते हैं !

१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०

दहाई समझें

जमे दस एक ओर, बांधे उसका गठ्ठर
और फिर बायीं ओर, रखे उसे अंदर
ध्यान दो गठ्ठर, का नाम है दहाई
अकेला था जब भाई, उसका नाम था इकाई
दहाई का घर बायीं ओर है
इकाई के खाली घर शून्य भी रहता और है

१ दहाई	शून्य इकाई
(चित्र)	०

आओ समझें...

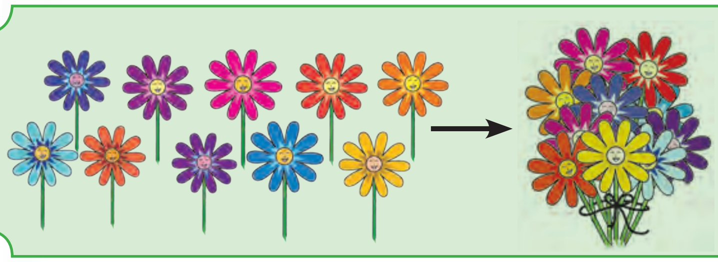

१ दहाई	शून्य इकाई
(चित्र)	०

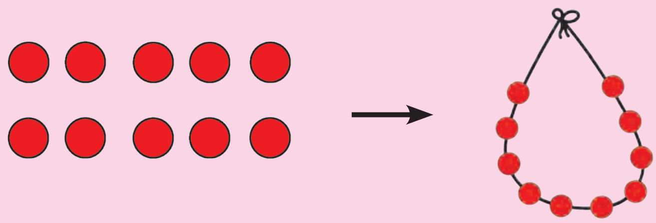

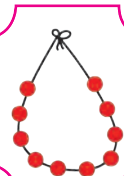

१ दहाई	शून्य इकाई
(चित्र)	०

इसमे एक गठ्ठर बायीं ओर है । वो है दहाई ।
दहाई अर्थात् एक साथ दस
इकाई शेष नहीं इसलिए उसके घर में ० लिखा गया ।
दस में १ दहाई और ० इकाई है ।
अर्थात् दस इस संख्या को **१०** ऐसा लिखते हैं ।

दहाई	इकाई
१	०

शिक्षकों के लिए सूचना

गठ्ठर की जगह १० गुटको कि मिनार कर सकते हैं अथवा १० मणी की माला भी कर सकते है । इस पर से भी दहाई की संकल्पना स्पष्ट होगी ।

8THA4G

११ से २० का परिचय तथा लेखन

दस और एक होते हैं ग्यारह

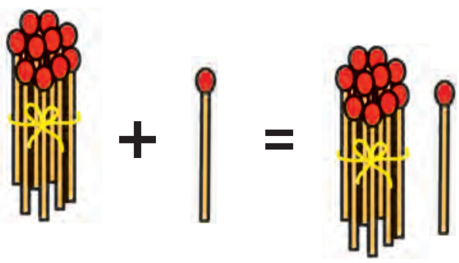

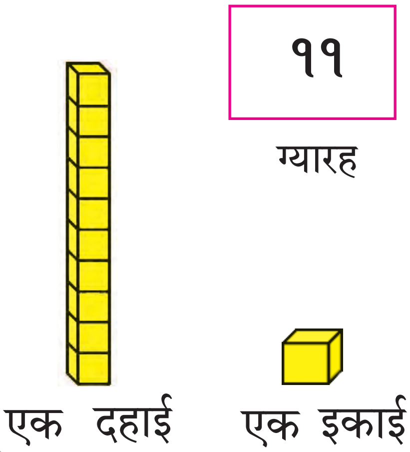

११	११	११	११	११	११

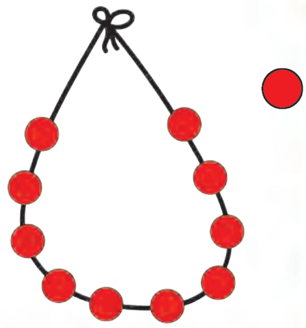

ग्यारह और एक होते हैं बारह

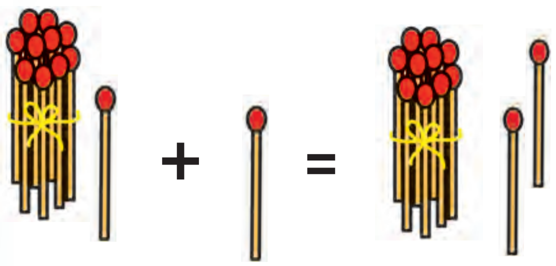

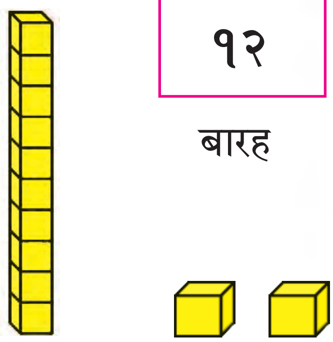

१२

बारह

एक दहाई   दो इकाई

१२	१२	१२	१२	१२	१२

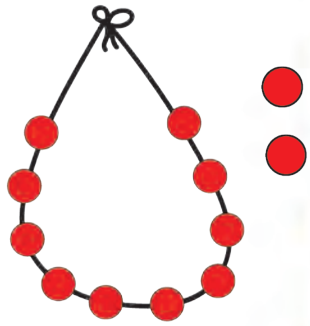

बारह और एक होते हैं तेरह

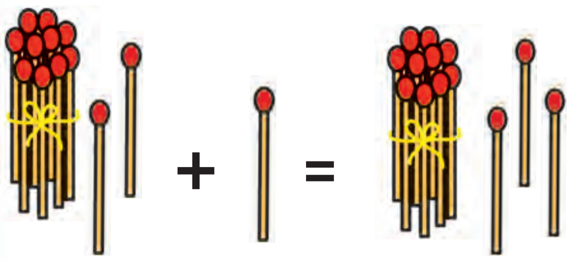

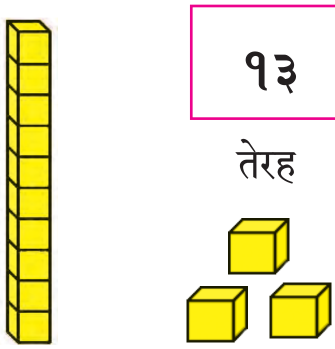

१३

तेरह

एक दहाई   तीन इकाई

१३	१३	१३	१३	१३	१३

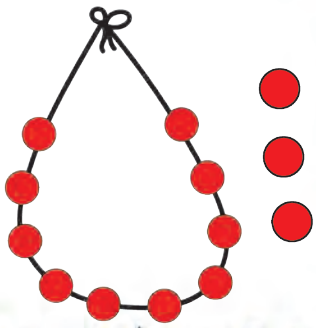

तेरह और एक होते हैं चौदह

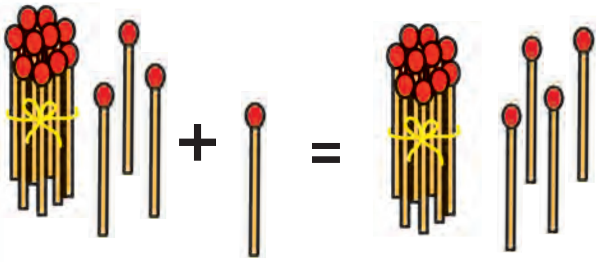

१४

चौदह

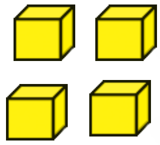

एक दहाई चार इकाई

१४	१४	१४	१४	१४	१४

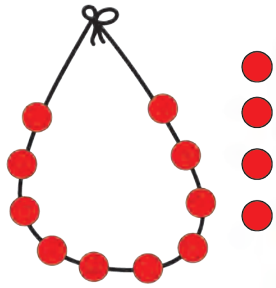

चौदह और एक होते हैं पंद्रह

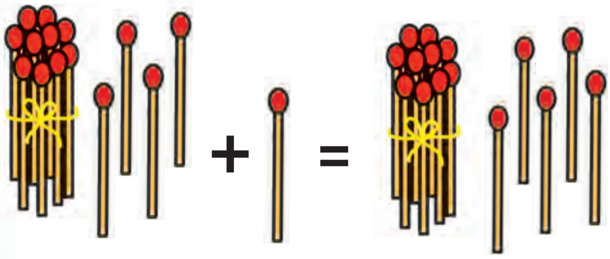

१५

पंद्रह

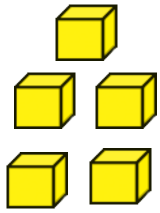

एक दहाई पाच इकाई

१५	१५	१५	१५	१५	१५

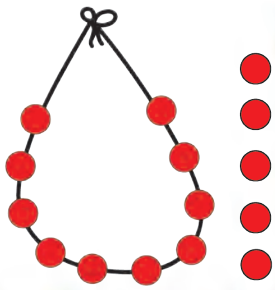

पंद्रह और एक होते हैं सोलह

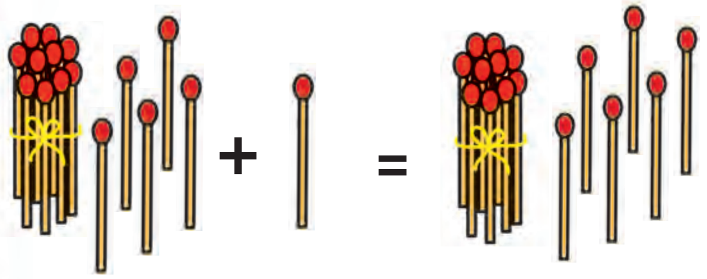

१६

सोलह

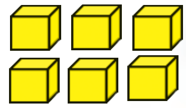

एक दहाई छः इकाई

१६	१६	१६	१६	१६	१६

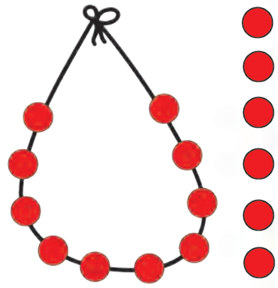

सोलह और एक होते हैं सत्रह

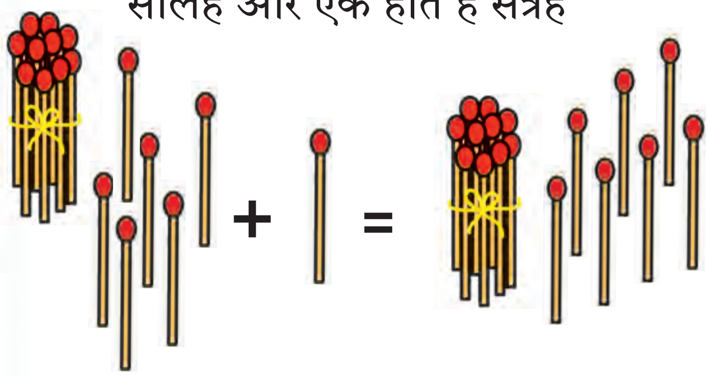

१७

सत्रह

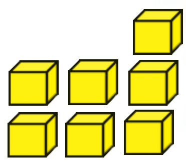

एक दहाई सात इकाई

१७	१७	१७	१७	१७	१७

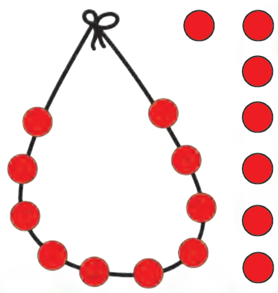

सत्रह और एक होते हैं अठारह

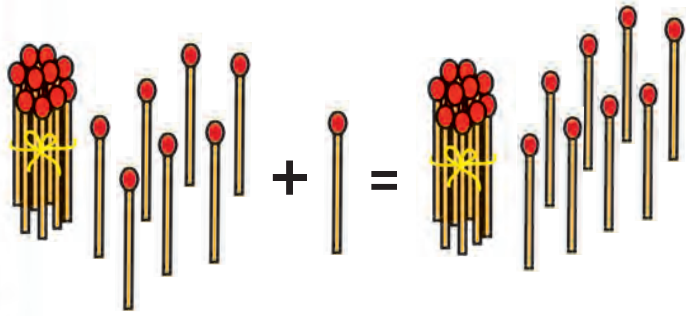

१८

अठारह

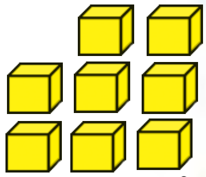

एक दहाई आठ इकाई

१८	१८	१८	१८	१८	१८

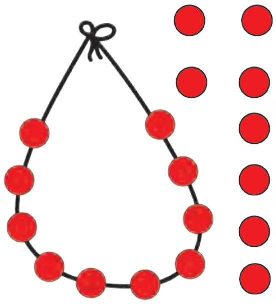

अठारह और एक होते हैं उन्नीस

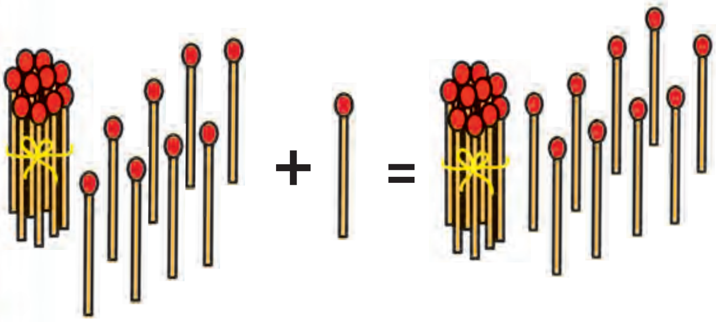

१९

उन्नीस

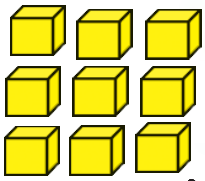

एक दहाई नौ इकाई

१९	१९	१९	१९	१९	१९

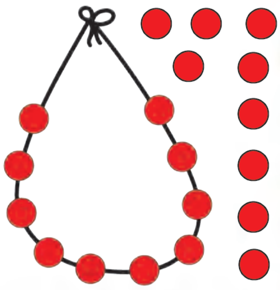

उन्नीस और एक होते हैं बीस

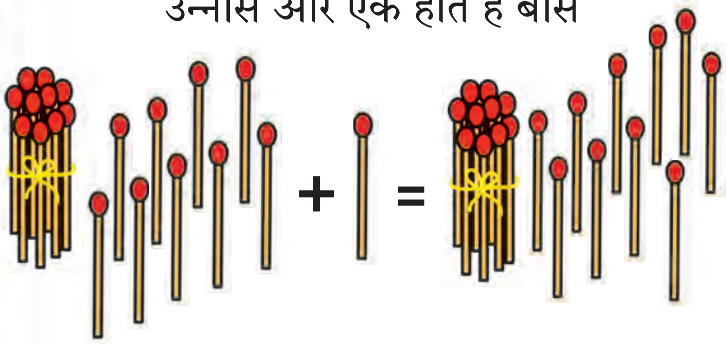

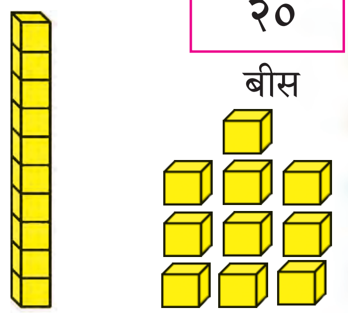

नौ से बड़ा अंक नही अर्थात् इकाई के घर में दस इकाई जमा हुए कि उनका गठ्ठर बाँधकर बाई ओर रखो । इसके बाद दहाई के घर दो दहाई होंगे । इकाई के घर में कुछ बचा (शेष) नही इसलिए शून्य रखें ।

२०	२०	२०	२०	२०	२०

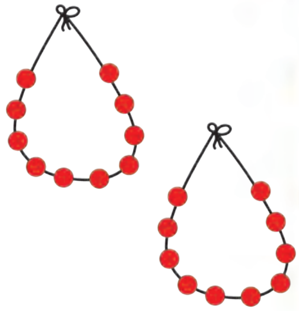

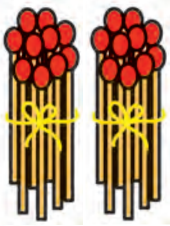

२ दहाई ० इकाई

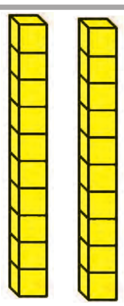

२ दहाई ० इकाई

ग्यारह बारह हो गई सुबह
तेरह चौदह चलो काम की जगह
पंद्रह सोलह मत जाओ रह
सत्रह अठारह कर लो सुलह
उन्नीस बीस बनो रईस

शिक्षकों के लिए सूचना

संख्या ग्यारह से बीस को क्रमसे बोलना सिखाए । इसके लिए गीत उपयोगी होगा । इस क्रम से संख्या बोलने के बाद बीस तक गिनना संभव होगा ।

दहाई कूद

आओ समझें...

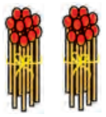	दो दहाई	२०	बीस
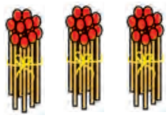	तीन दहाई	३०	तीस
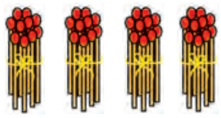	चार दहाई	४०	चालीस
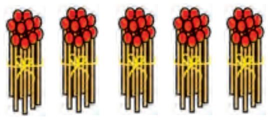	पाँच दहाई	५०	पचास
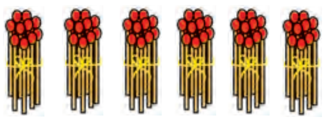	छ: दहाई	६०	साठ
	सात दहाई	७०	सत्तर
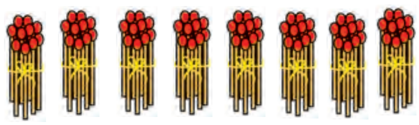	आठ दहाई	८०	अस्सी
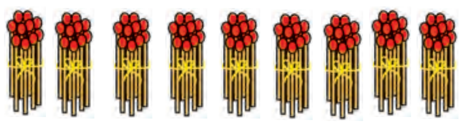	नौ दहाई	९०	नब्बे

8TR664

सिक्के – रुपए

१ रुपया

२ रुपये

५ रुपये

१० रुपये

एक रुपया

दो रुपये

पाँच रुपये

दस रुपये

बीस रुपये

आवश्यकतानुसार रुपये कैसे देने होंगे ?

२ रुपये

४ रुपये

५ रुपये

१० रुपये

२० रुपये

सोंचो

इतने ही रुपये तुम और किस प्रकार दे सकोगे ?

92QHZ9

दी गयी वस्तु खरीदने के लिए कौन-कौन-से सिक्के या नोट देंगे ?

वस्तु	वस्तु का मूल्य	सिक्का / नोट
	३ रुपये	
	१२ रुपये	
	१८ रुपये	

सिक्का देखकर वस्तु का मूल्य निश्चित करो और लिखो ।

वस्तु	सिक्के	वस्तु का मूल्य
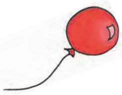		

पढ़ो और उत्तर लिखो ।

१) एक मेथी की गड्डी १० रुपए में मिलती है । उसके लिए ५ रुपए के कितने सिक्के देने पड़ेंगे ?

२) दो रुपए के ३ सिक्के देकर एक पेन्सिल ली गयी, तो पेन्सिल का मूल्य कितना ?

३) १० रुपए की मोमबत्ती तथा १ रुपये की माचिस की डिब्बी ली गई तो कितने रुपए देने पड़ेंगे ?

४) अजहर ने एक कॉपी, १० रुपए की एक नोट तथा १० रुपए का एक सिक्का देकर खरिदा तो उस कॉपी का मूल्य कितना ?

२१ से ३० का परिचय तथा लेखन

आओ समझें...

	दहाई	इकाई				
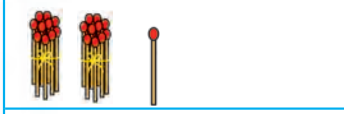	२	१	दो दहाई एक इकाई	बीस एक	२१	इक्कीस
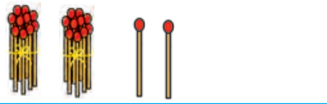	२	२	दो दहाई दो इकाई	बीस दो	२२	बाईस
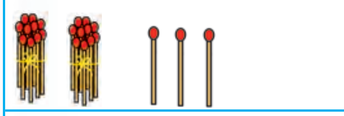	२	३	दो दहाई तीन इकाई	बीस तीन	२३	तेईस
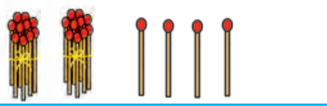	२	४	दो दहाई चार इकाई	बीस चार	२४	चौबीस
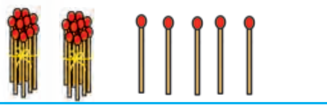	२	५	दो दहाई पाँच इकाई	बीस पाँच	२५	पच्चीस
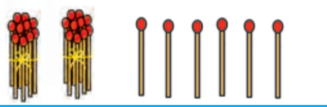	२	६	दो दहाई छः इकाई	बीस छः	२६	छब्बीस
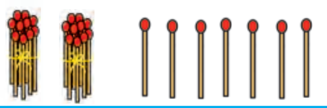	२	७	दो दहाई सात इकाई	बीस सात	२७	सत्ताईस
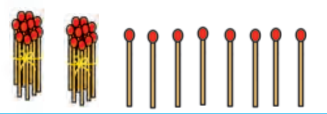	२	८	दो दहाई आठ इकाई	बीस आठ	२८	अठ्ठाईस
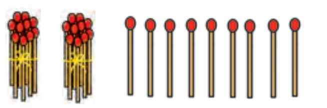	२	९	दो दहाई नौ इकाई	बीस नौ	२९	उनतीस
	३	०	तीन दहाई	तीस	३०	तीस

क्रमिक संख्याओं के तोरण के
रिक्त चौखट में उचित संख्या लिखो ।

	२२			२५			२८		

३१ से ४० का परिचय तथा लेखन

आओ समझें...

	दहाई ३	इकाई १	तीन दहाई एक इकाई	तीस एक	३१	इकतीस
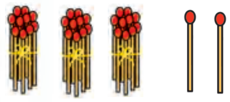	३	२	तीन दहाई दो इकाई	तीस दो	३२	बत्तीस
	३	३	तीन दहाई तीन इकाई	तीस तीन	३३	तैंतीस
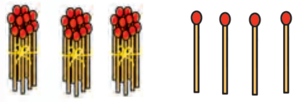	३	४	तीन दहाई चार इकाई	तीस चार	३४	चौंतीस
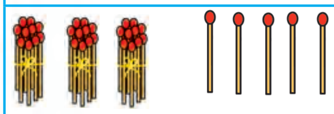	३	५	तीन दहाई पाँच इकाई	तीस पाँच	३५	पैंतीस
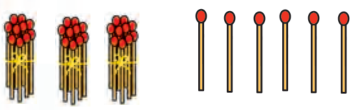	३	६	तीन दहाई छः इकाई	तीस छः	३६	छत्तीस
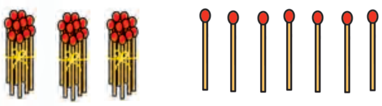	३	७	तीन दहाई सात इकाई	तीस सात	३७	सैंतीस
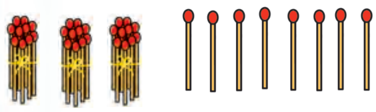	३	८	तीन दहाई आठ इकाई	तीस आठ	३८	अड़तीस
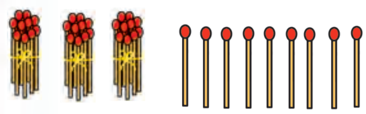	३	९	तीन दहाई नौ इकाई	तीस नौ	३९	उनतालिस
	४	०	चार दहाई	चालीस	४०	चालीस

क्रमिक संख्याओं के तोरण के रिक्त जगह में उचित संख्या लिखो ।

संख्या के बिंदुओं को क्रम से जोड़कर आकाश में उड़ा ।

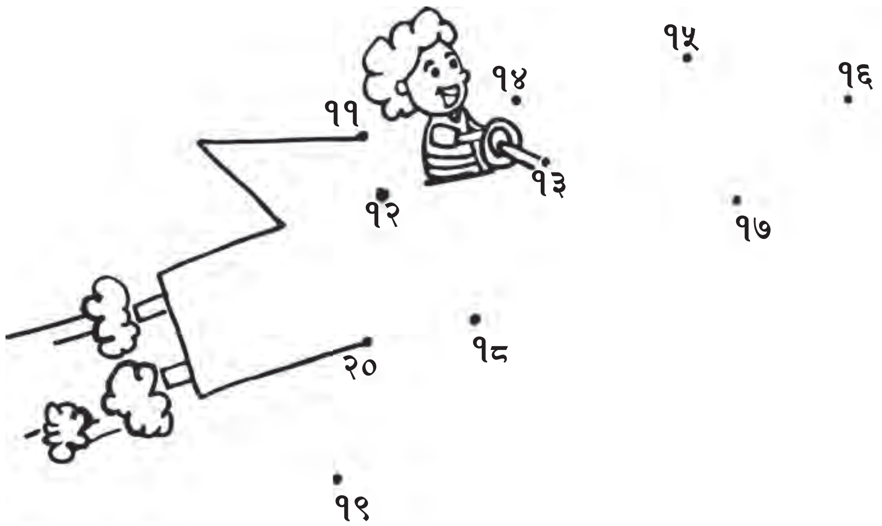

दी गयी संख्याओं के क्रम से आनेवाली दो संख्या लिखो ।

बीच की संख्या लिखो ।

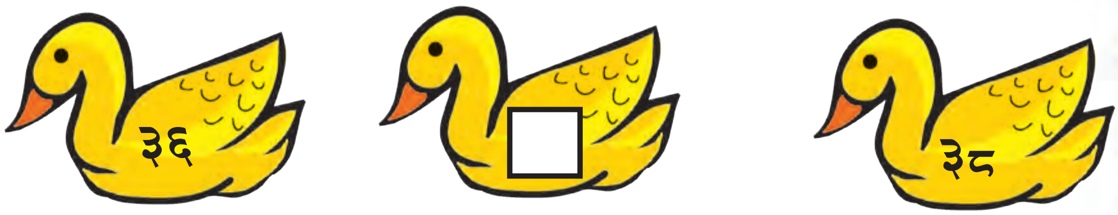

दी गयी संख्या के पहले क्रम से आनेवाली संख्या लिखो ।

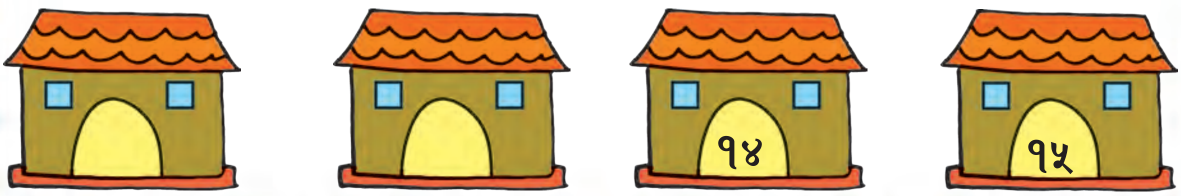

४१ से ५० का परिचय तथा लेखन

आओ समझें...

	दहाई	इकाई				
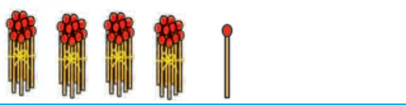	४	१	चार दहाई एक इकाई	चालीस एक	४१	इकतालीस
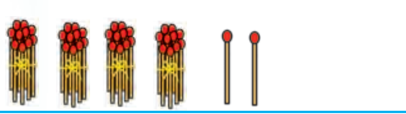	४	२	चार दहाई दो इकाई	चालीस दो	४२	बयालीस
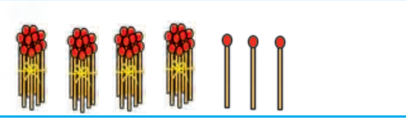	४	३	चार दहाई तीन इकाई	चालीस तीन	४३	तैंतालीस
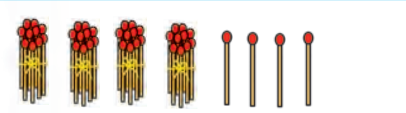	४	४	चार दहाई चार इकाई	चालीस चार	४४	चौवालीस
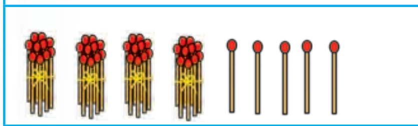	४	५	चार दहाई पाँच इकाई	चालीस पाँच	४५	पैंतालीस
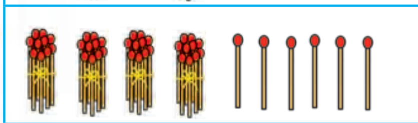	४	६	चार दहाई छः इकाई	चालीस छः	४६	छियालीस
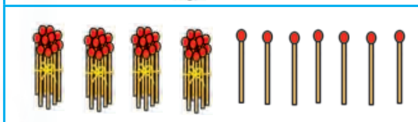	४	७	चार दहाई सात इकाई	चालीस सात	४७	सैंतालीस
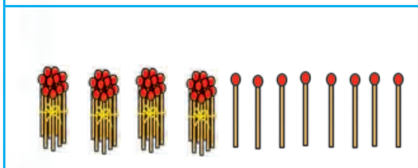	४	८	चार दहाई आठ इकाई	चालीस आठ	४८	अड़तालीस
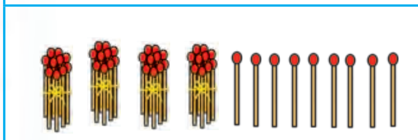	४	९	चार दहाई नौ इकाई	चालीस नौ	४९	उनचास
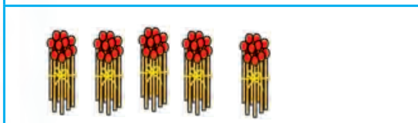	५	०	पाँच दहाई	पचास	५०	पचास

क्रमिक संख्याओं के तोरण के रिक्त जगह में उचित संख्या लिखो ।

५१ से ६० का परिचय तथा लेखन

आओ समझें...

	दहाई	इकाई				
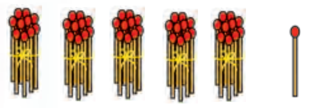	५	१	पाँच दहाई एक इकाई	पचास एक	५१	इक्यावन
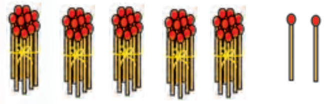	५	२	पाँच दहाई दो इकाई	पचास दो	५२	बावन
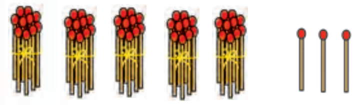	५	३	पाँच दहाई तीन इकाई	पचास तीन	५३	तिरपन
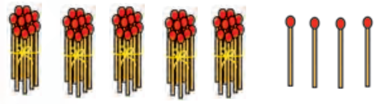	५	४	पाँच दहाई चार इकाई	पचास चार	५४	चौवन
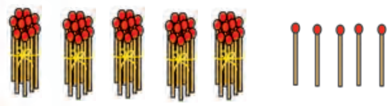	५	५	पाँच दहाई पाच इकाई	पचास पाँच	५५	पचपन
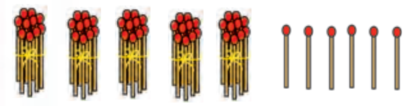	५	६	पाँच दहाई छः इकाई	पचास छः	५६	छप्पन
	५	७	पाँच दहाई सात इकाई	पचास सात	५७	सत्तावन
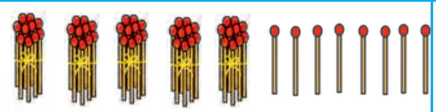	५	८	पाँच दहाई आठ इकाई	पचास आठ	५८	अट्ठावन
	५	९	पाँच दहाई नौ इकाई	पचास नौ	५९	उनसठ
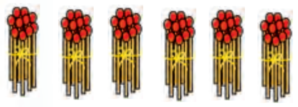	६	०	छः दहाई	साठ	६०	साठ

क्रमिक संख्याओं के तोरण के
रिक्त जगह में उचित संख्या लिखो ।

५१				५५					६०

६१ से ७० का
परिचय तथा लेखन

आओ समझें...

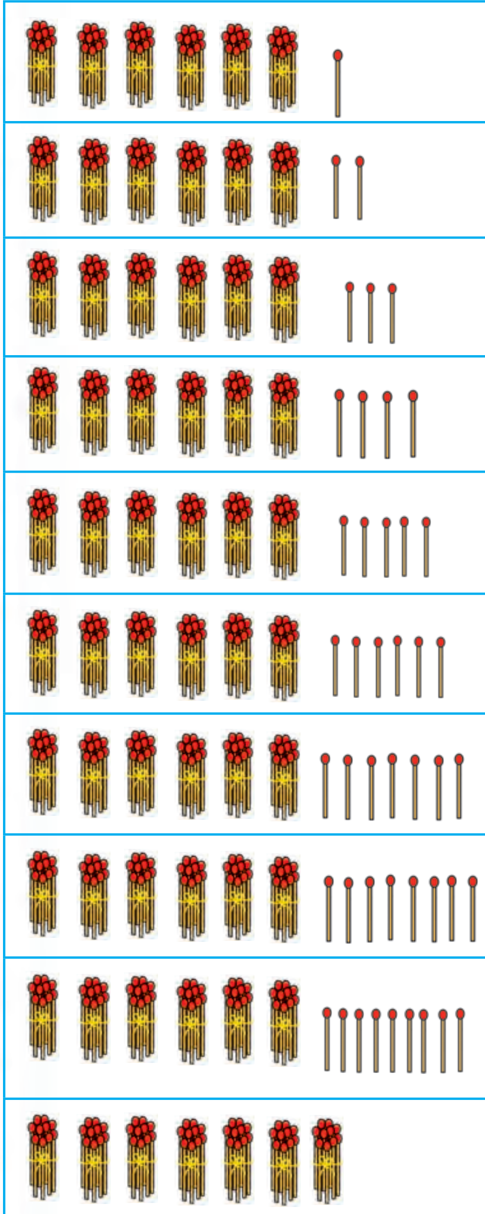

	दहाई	इकाई				
	६	१	छ: दहाई एक इकाई	साठ एक	६१	इकसठ
	६	२	छ: दहाई दो इकाई	साठ दो	६२	बासठ
	६	३	छ: दहाई तीन इकाई	साठ तीन	६३	तिरसठ
	६	४	छ: दहाई चार इकाई	साठ चार	६४	चौंसठ
	६	५	छ: दहाई पाँच इकाई	साठ पाँच	६५	पैंसठ
	६	६	छ: दहाई छ: इकाई	साठ सहा	६६	छियासठ
	६	७	छ: दहाई सात इकाई	साठ सात	६७	सड़सठ
	६	८	छ: दहाई आठ इकाई	साठ आठ	६८	अड़सठ
	६	९	छ: दहाई नौ इकाई	साठ नौ	६९	उनहत्तर
	७	०	सात दहाई	सत्तर	७०	सत्तर

क्रमिक संख्याओं के तोरण के
रिक्त जगह में उचित संख्या लिखो ।

६१ ☐ ☐ ☐ ६५ ☐ ☐ ☐ ☐ ७०

७१ से ८० का
परिचय तथा लेखन

आओ समझें...

दहाई	इकाई				
७	१	सात दहाई एक इकाई	सत्तर एक	७१	इकहत्तर
७	२	सात दहाई दो इकाई	सत्तर दो	७२	बहत्तर
७	३	सात दहाई तीन इकाई	सत्तर तीन	७३	तिहत्तर
७	४	सात दहाई चार इकाई	सत्तर चार	७४	चौहत्तर
७	५	सात दहाई पाँच इकाई	सत्तर पाँच	७५	पचहत्तर
७	६	सात दहाई छ: इकाई	सत्तर छ:	७६	छिहत्तर
७	७	सात दहाई सात इकाई	सत्तर सात	७७	सतहत्तर
७	८	सात दहाई आठ इकाई	सत्तर आठ	७८	अठहत्तर
७	९	सात दहाई नौ इकाई	सत्तर नौ	७९	उन्यासी
८	०	आठ दहाई	अस्सी	८०	अस्सी

क्रमिक संख्याओं के तोरण के
रिक्त जगह में उचित संख्या लिखो ।

७२ ७६

८१ से ९० का परिचय तथा लेखन

आओ समझें...

	दहाई	इकाई				
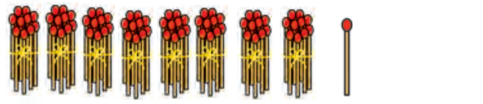	८	१	आठ दहाई एक इकाई	अस्सी एक	८१	इक्यासी
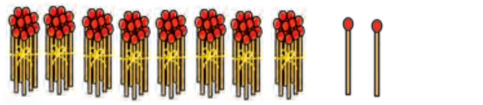	८	२	आठ दहाई दो इकाई	अस्सी दो	८२	बयासी
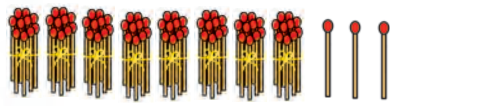	८	३	आठ दहाई तीन इकाई	अस्सी तीन	८३	तिरासी
	८	४	आठ दहाई चार इकाई	अस्सी चार	८४	चौरासी
	८	५	आठ दहाई पाँच इकाई	अस्सी पाँच	८५	पचासी
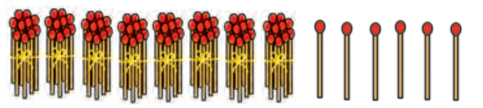	८	६	आठ दहाई छ: इकाई	अस्सी छ:	८६	छियासी
	८	७	आठ दहाई सात इकाई	अस्सी सात	८७	सत्तासी
	८	८	आठ दहाई आठ इकाई	अस्सी आठ	८८	अट्ठासी
	८	९	आठ दहाई नौ इकाई	अस्सी नौ	८९	नवासी
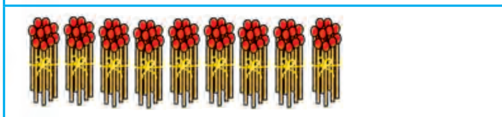	९	०	नौ दहाई	नब्बे	९०	नब्बे

क्रमिक संख्याओं के तोरण के
रिक्त जगह में उचित संख्या लिखो ।

				८५					९०

९१ से ९९ का परिचय तथा लेखन

आओ समझें...

	दहाई	इकाई				
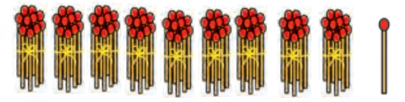	९	१	नौ दहाई एक इकाई	नब्बे एक	९१	इक्यानबे
	९	२	नौ दहाई दो इकाई	नब्बे दो	९२	बानबे
	९	३	नौ दहाई तीन इकाई	नब्बे तीन	९३	तिरानबे
	९	४	नौ दहाई चार इकाई	नब्बे चार	९४	चौरानबे
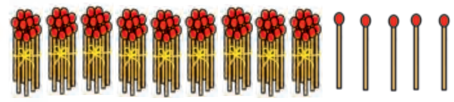	९	५	नौ दहाई पाँच इकाई	नब्बे पाँच	९५	पंचानबे
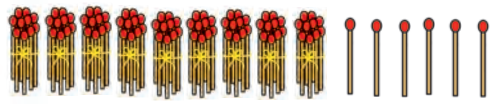	९	६	नौ दहाई छ: इकाई	नब्बे छ:	९६	छियानबे
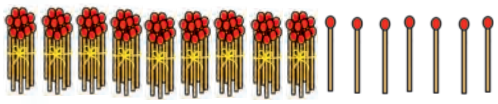	९	७	नौ दहाई सात इकाई	नब्बे सात	९७	सत्तानबे
	९	८	नौ दहाई आठ इकाई	नब्बे आठ	९८	अट्ठानबे
	९	९	नौ दहाई नौ इकाई	नब्बे नौ	९९	निन्यानबे

क्रमिक संख्याओं के तोरण के
रिक्त जगह में उचित संख्या लिखो ।

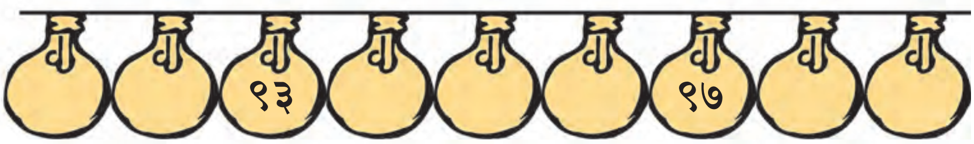

इल्ली (सुरवंट) के ऊपर क्रम से संख्या लिखो ।

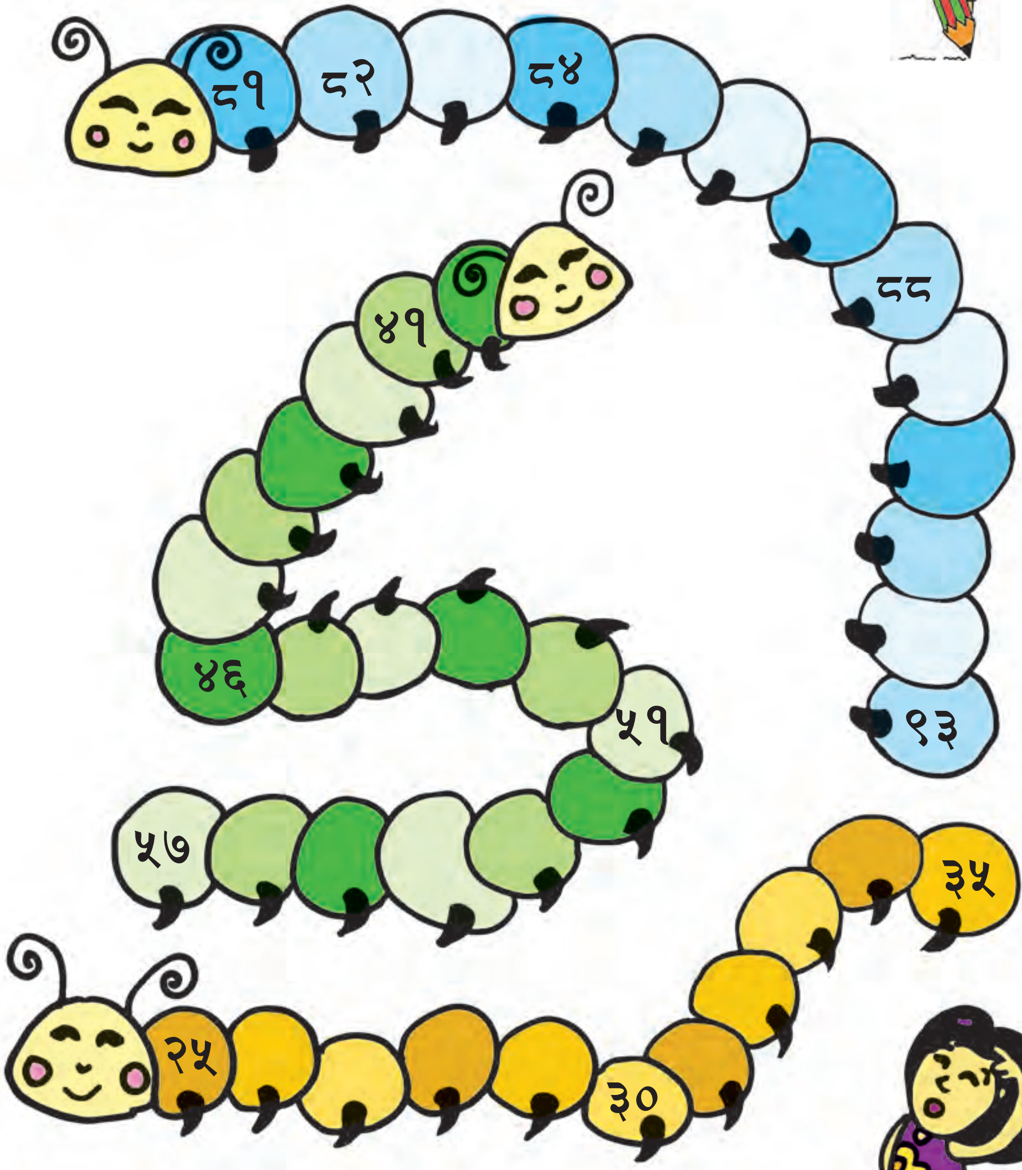

92ZT1H

सैकड़े का परिचय

इसे देखो ।

९९ + १ कितना होता है ? उसे कैसे लिखते हैं ?

९९ = ९ दहाई + ९ इकाई

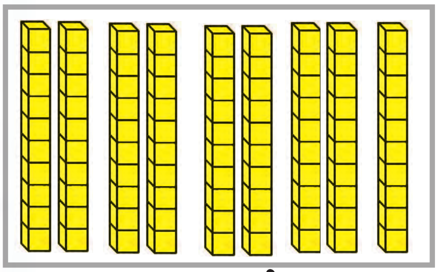

९ दहाई

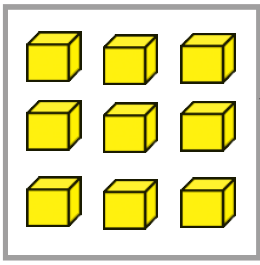

९ इकाई

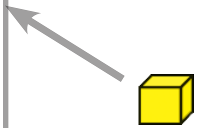

१ इकाई

नौ से बड़ा अंक नहीं है । इकाई के घर में १० इकाई एकत्र हुए तो उनका एक गठ्ठर बाँधकर बाँयी ओर दहाई के घर में लाओ ।

९९+१ = 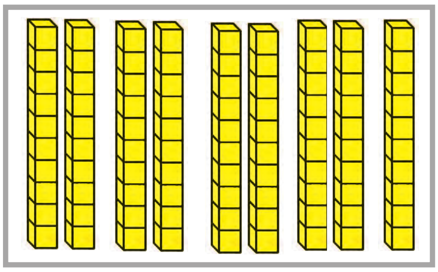 + = 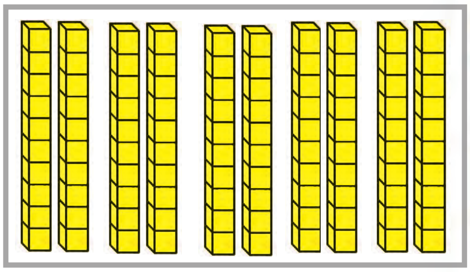

९ दहाई, १ दहाई, १० दहाई

अब दहाई के घर में दस दहाई हो गए । दस दहाई का बड़ा गठ्ठर बाँधकर सैकड़े के घर में रखो । इस बड़े गठ्ठर का नाम 'सैकड़ा' है । 'सैकड़ा अर्थात् सौ ।

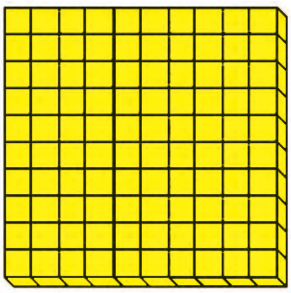

१ सैकड़ा

०

शून्य दहाई

०

शून्य इकाई

सैकड़ा	दहाई	इकाई
१	०	०

इनमें एक सैकड़ा, शून्य दहाई और शून्य इकाई है । अर्थात् 'सैकड़ा' '१००' लिखते हैं ।

१ से २० का जोड़

हमनें छोटे जोड़ सीखा । अब और जोड़ना सीखेंगें ।

५ + ४ = ९

८ + ५ = ☐

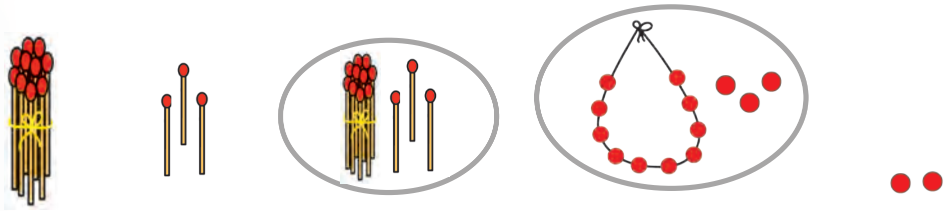

१० + ३ = १३

१३ + २ = ☐

कहानी जोड़ की

एक दिन क्या हुआ, यश घर पर कहानी की किताब पढ़ रहा था । पिताजी घर पर आए । यश को किताब पढ़ते देख उन्हें बहुत खुशी हुई । उन्होंने यश को अपने पास लिया । यश पिताजी से कहता है, ''पिताजी, मैनें सातों किताबें पढ लीं ।'' पिताजी ने कहा, ''अरे वाह! बहुत बढ़िया ।''

पिताजी ने खुश होकर यश को चार किताबें और दीं । यश को बहुत खुशी हुई । अच्छा, अब यश के पास कितनी किताबें होंगी ?

अब बताओ .....

१) यश के पास पहले कितनी किताबें थीं ? ☐

२) पिताजी ने यश को पुरस्कार के तौर पर कितनी किताबें दीं ? ☐

३) यश के पास कुल कितनी किताबें हो गयी ? ☐

जोड़ : आगे गिनकर

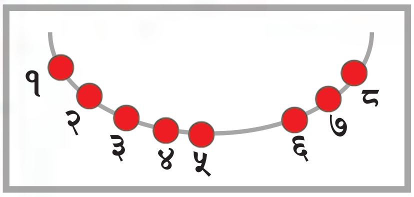

पाँच और तीन को जोड़ो । पाँच के आगे तीन संख्याएँ क्रम से गिनो । ६, ७, ८ । कुल जोड़ आठ हुई ।

अब आठ और पाँच को जोड़ो । उसके लिए ८ मनकों के आगे की पाँच संख्या गिनो । ९, १०, ११, १२, १३ कुल मनके १३ हो गए ।

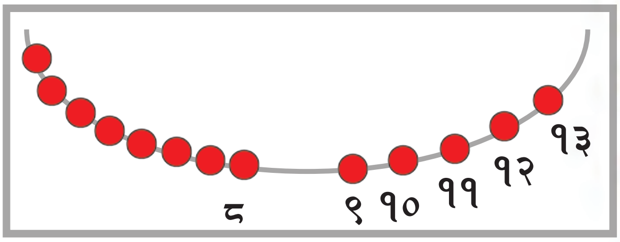

किसी संख्या में दूसरी संख्या मिलाने पर पहली संख्या के आगे दूसरी संख्या के बराबर संख्या को क्रम से गिना तो जोड़ मिलता है ।

दो संख्याओं को जोड़ने पर बड़ी संख्या के आगे छोटी संख्या के बराबर संख्या को क्रम से गिनना आसान होता है । ४ + ९ को जोड़ते समय ४ के बाद नौ संख्या गिनने की अपेक्षा ९ के आगे चार संख्या गिनना आसान है ।

आओ जोड़ का अभ्यास करें ।

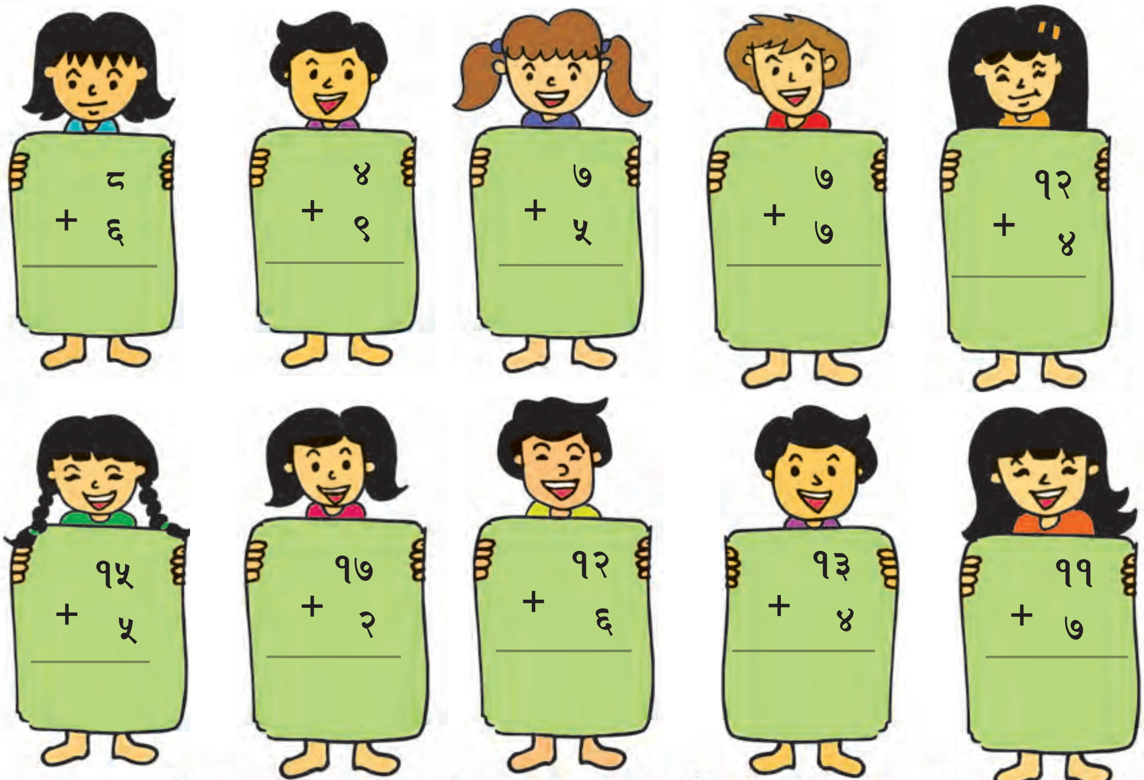

आकृतिबंध

क्रम से आनेवाली और तीन चित्र निकालो अथवा संख्या लिखो ।

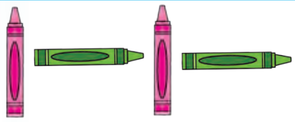

४ १ ४ १ ४ १ ४ १

२ ३ ४ २ ३ ४

निरीक्षण करो और रंग भरो । १ २ ३

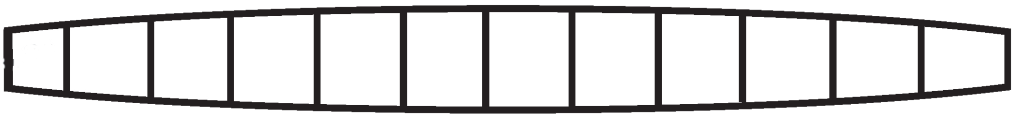

१ २ १ २ १ २ १ २ १ २ १ २

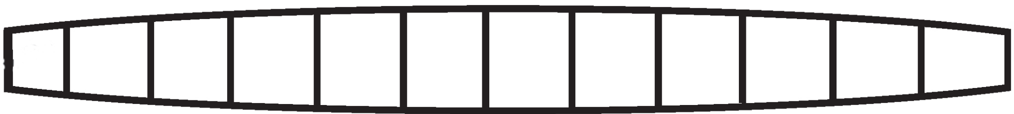

२ ३ २ ३ २ ३ २ ३ २ ३ २ ३

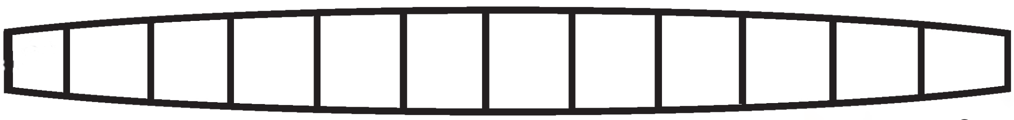

३ १ ३ १ ३ १ ३ १ ३ १ ३ १

अंदर – बाहर

टोकरी के अंदर कुत्ता है, उस चित्र के नीचे ☐ को रंगो ।

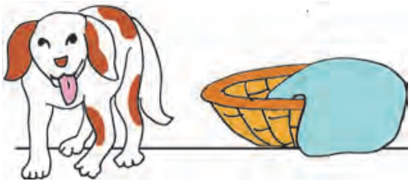

गाड़ी के बाहरवाले व्यक्ति के नीचे ☐ को रंगो ।

चौंड़ा – सँकरा

चौंडे रास्ते वाले चित्र के नीचे चौखट को रंगो ।

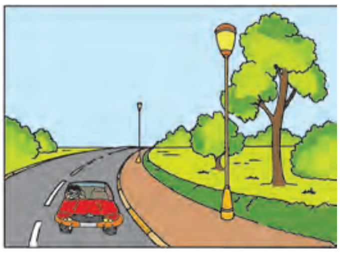

सँकरे ब्रश के चित्र के नीचे के चौखट को रंगो ।

939P3J

आकारों का परिचय

आकारों का निरीक्षण करो ।

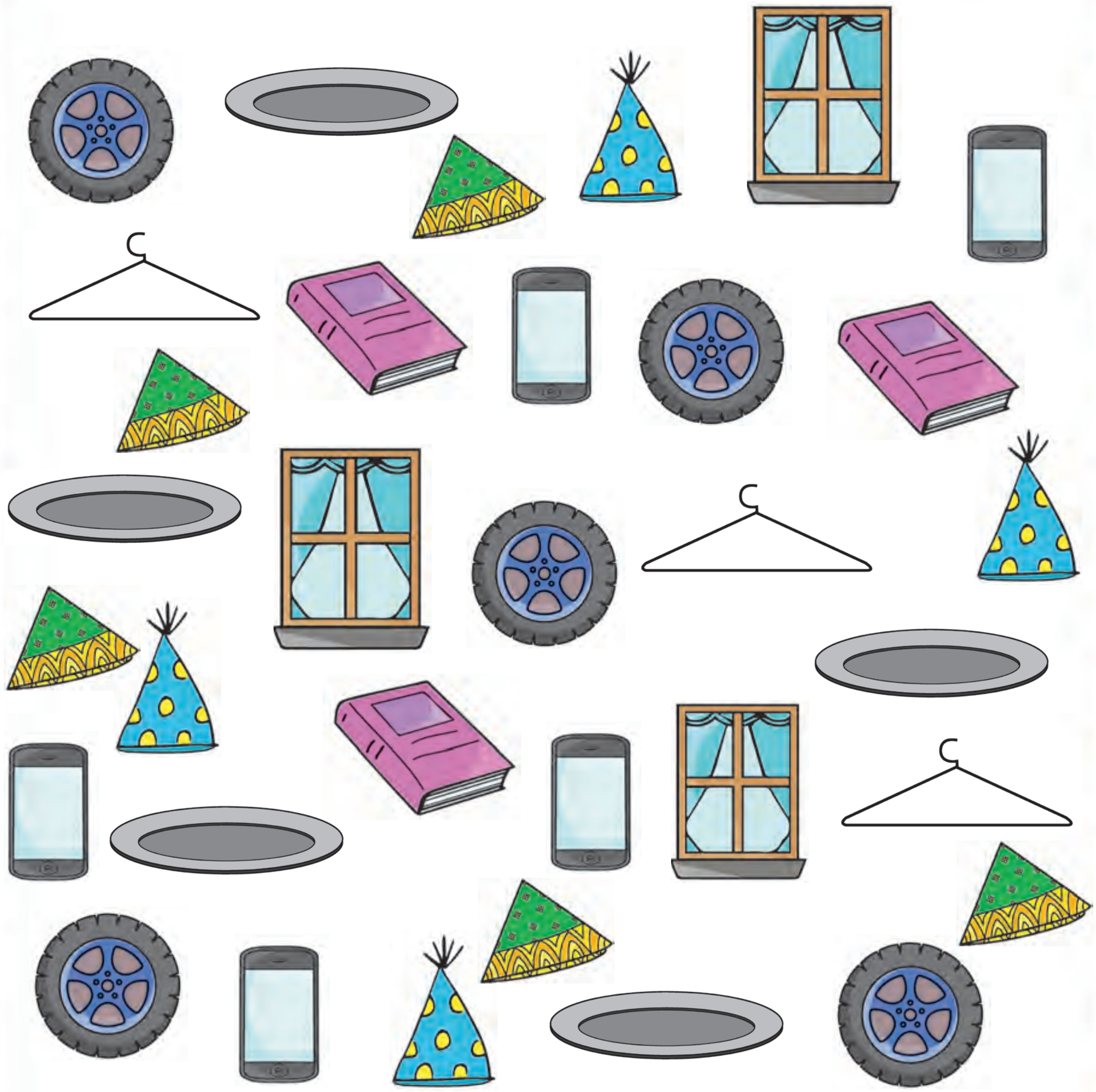

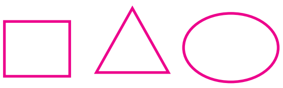 इन आकारों के वस्तुओं को ढूंढ़कर कितने हैं लिखो ।

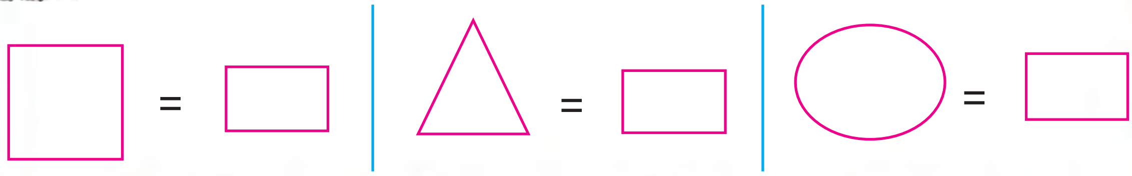

लंबा – छोटा

छोटे वस्तु को ◯ करो ।

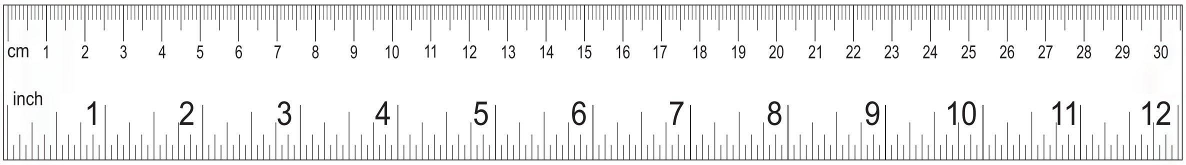

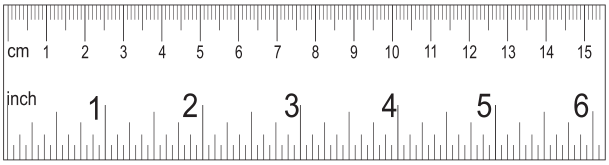

लंबी वस्तु को ◯ करो ।

लंबाई के अनुसार वस्तुओं का चढ़ता क्रम लगाओ ।

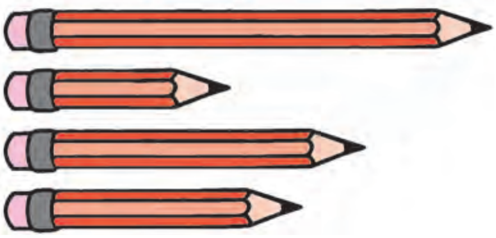

४

१

३

२

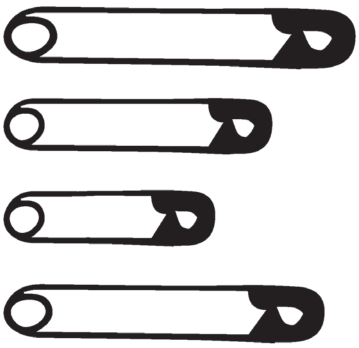

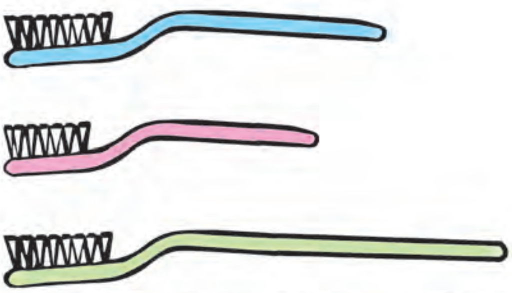

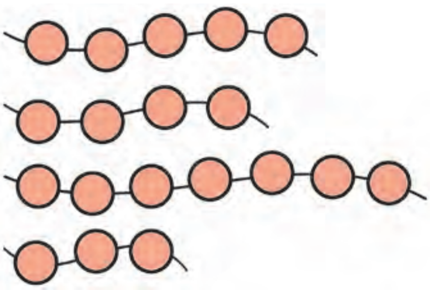

सबसे लंबा – सबसे छोटा

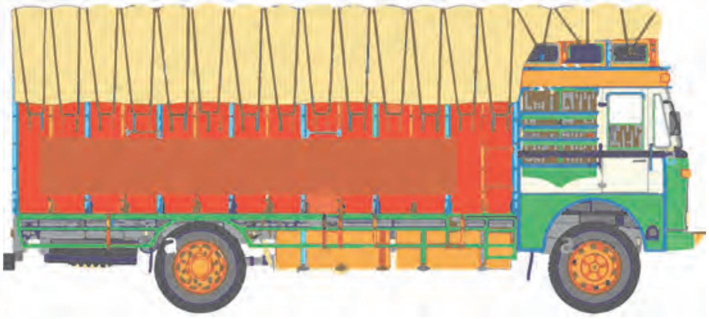

सबसे लंबा

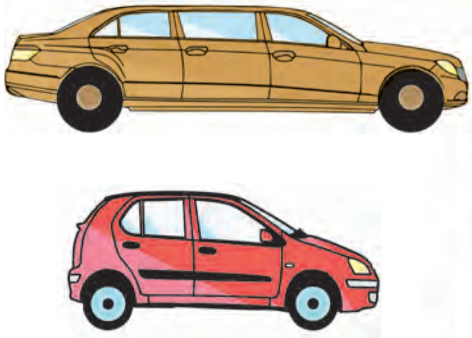

सबसे छोटा

सबसे लंबी इल्ली के नीचे ☐ को रंगो ।

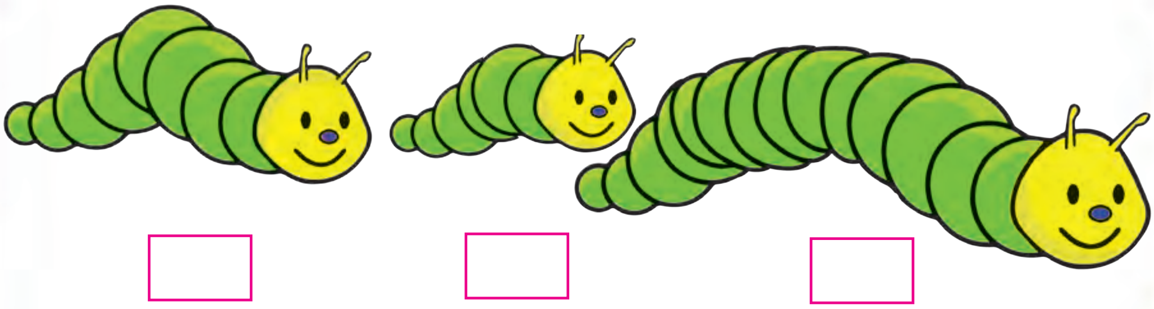

सबसे छोटे कतार के पास ☐ को रंगो ।

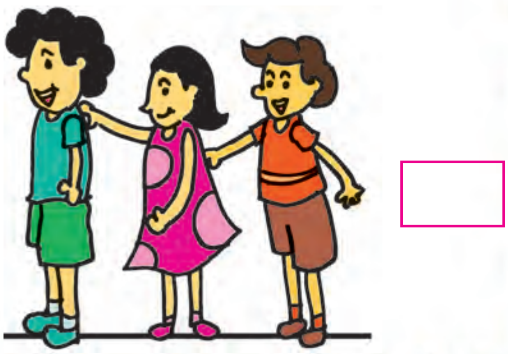

ऊँचा – ठिगना (छोटा)

ऊँची वस्तु के नीचे ☐ को रंगो ।

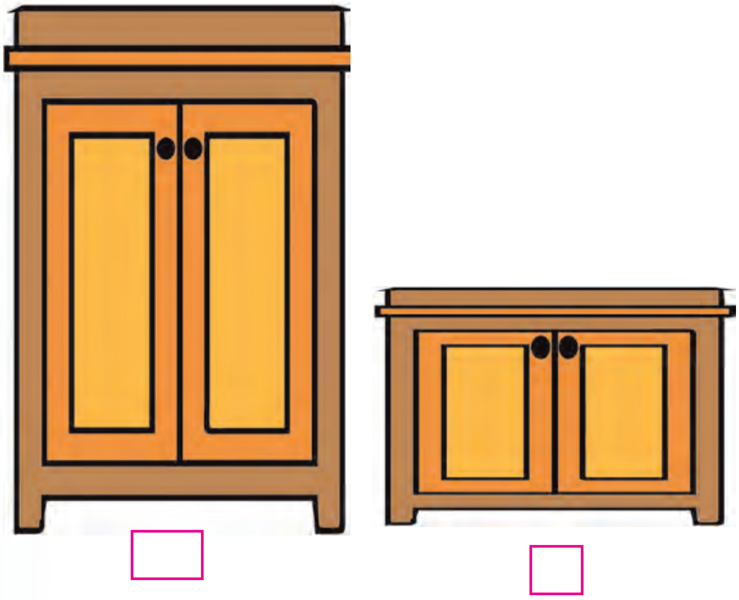

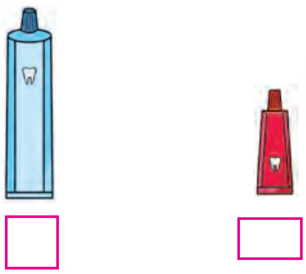

ठिगनी वस्तु के नीचे ☐ को रंगो । (ठिगना अर्थात् कम ऊँचाई)

सबसे ऊँचा – सबसे ठिगना

सबसे ऊँचे कुत्ते के नीचे □ को रंगो ।

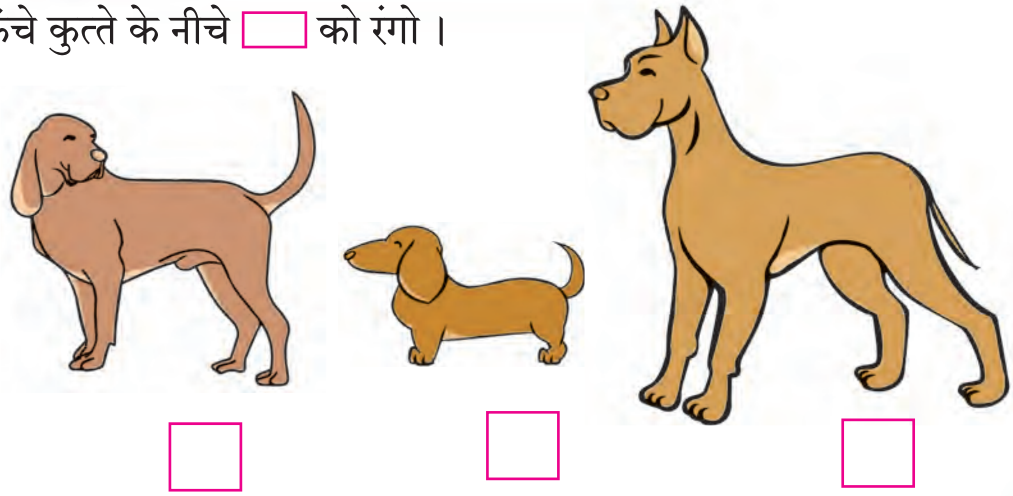

सबसे ठिगनी आकृति के नीचे □ को रंगो ।

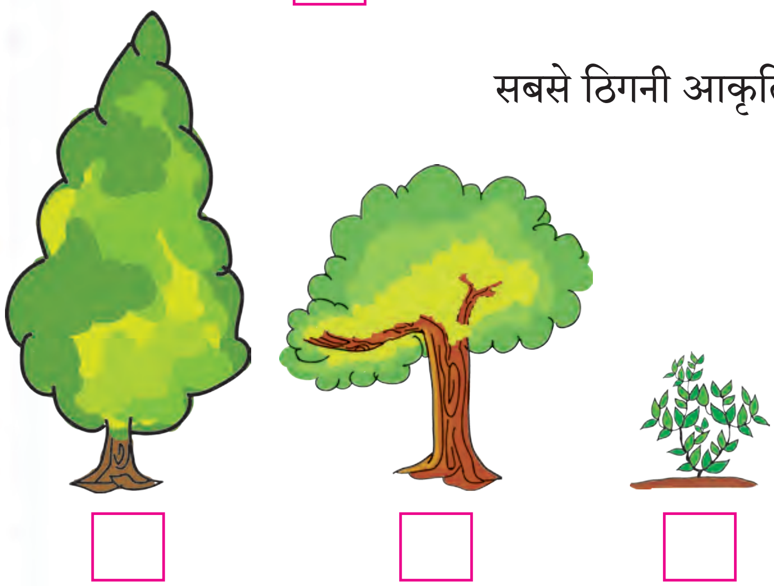

सबसे कम ऊँचाई वाले
खंबे के नीचे □ को रंगो ।

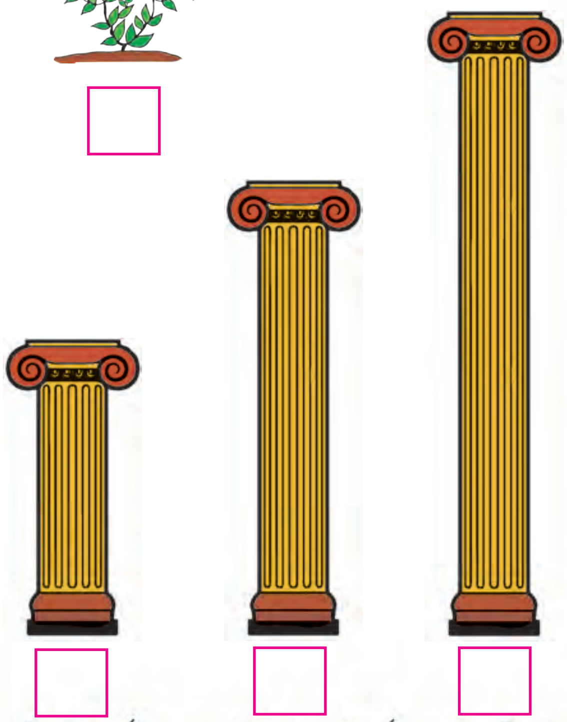

भारी हल्का

भारी वस्तुओं के नीचे ☐ को रंगो ।

☐

☐

☐

☐

हल्की वस्तु के नीचे ☐ को रंगो ।

☐

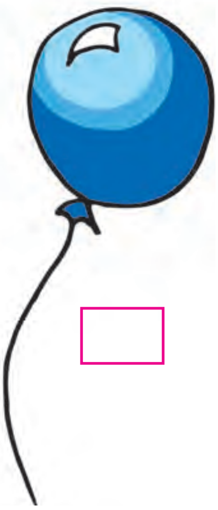 ☐

चर्चा करो ।
बड़ी वस्तुएँ हमेशा भारी होती हैं क्या ?

93IK57

दूर पास

रमा से [ ] पास है और [ ] दूर है ।

कुएँ के सबसे पास कौन है ? [ ]

कुएँ से सबसे दूर कौन है ? [ ]

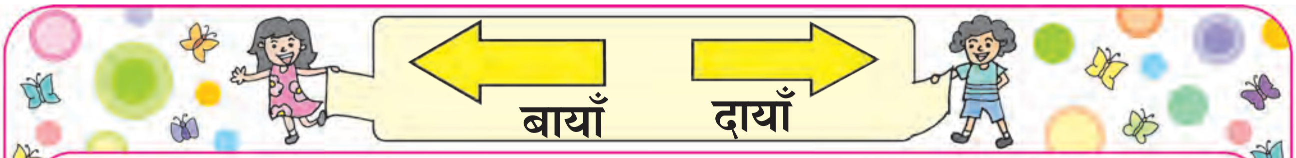

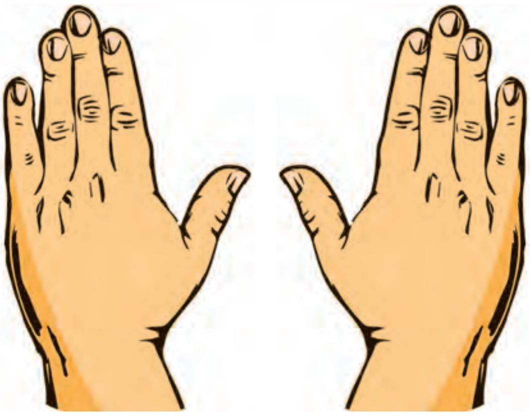

बायाँ **दायाँ**

बायीं ओर जाओ ।

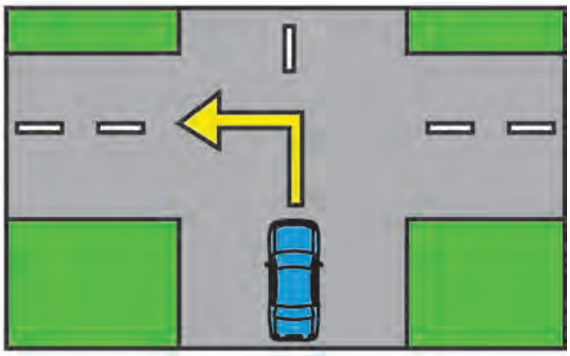

दायीं ओर जाओ ।

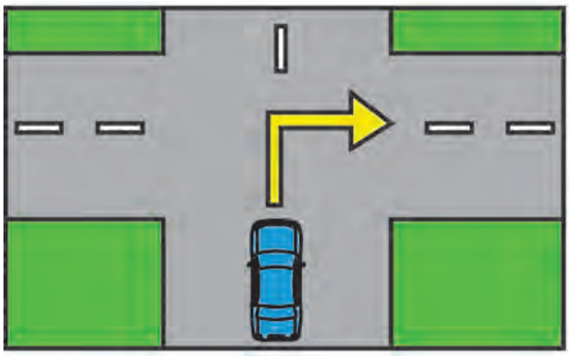

कम समय – अधिक समय

जो सबसे कम समय में भरेगा उसके नीचे के ☐ को रंगो ।

जिस वाहन से यात्रा में अधिक समय लगता है, उसके चित्र के नीचे का ☐ रंगो ।

93SG6U

किसके बाद क्या ?

चित्र का निरीक्षण करके उचित कृति क्रम से लगाओ ।

१

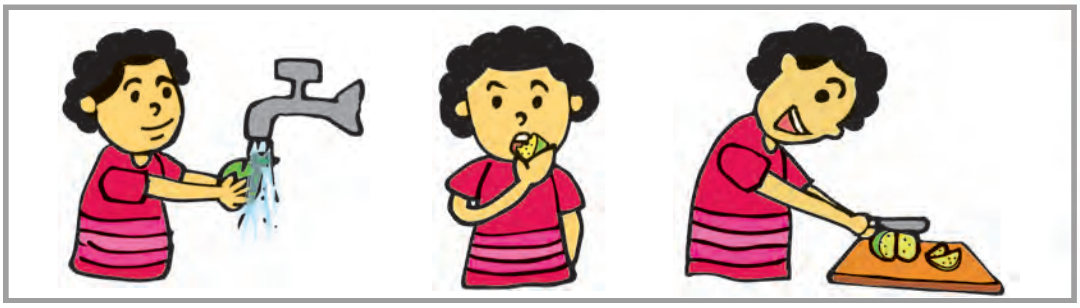

१	३	२

२

३

आओ गिनें

यश के पलंग के लिए चादर चाहिए । एक बहुत छोटी तथा दूसरी बहुत लंबी है ।

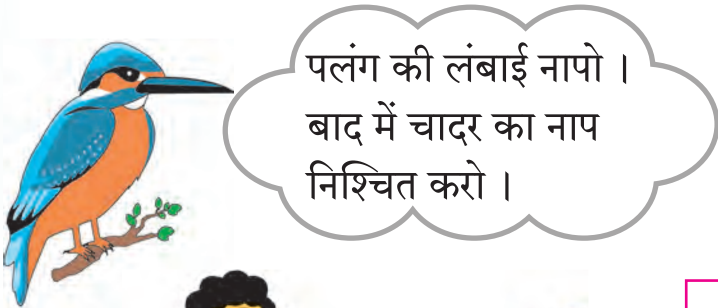

यश के पास पलंग का माप नापने के लिए टेप नहीं है । आओ पलंग का नाप बित्ते से नापें ।

यश ने पलंग की लंबाई ११ बित्ते गिने । इसलिए चादर १३ बित्ते की लानी पड़ेगी । क्योंकि चादर थोड़ी बड़ी लगती है ।

चर्चा करो : कौन-से वस्तुओं की लंबाई गिनी जाती है ?
लंबाई नापने के लिए किस साधन का प्रयोग करें ?

१) तुम्हारे परिसर में दो गमलों के बीच के अंतर को कदमों से नापो । ☐ कदम ।

२) अखबार की लंबाई कितने बित्ता होगी इसका अनुमान लगाओ ।
अब गिनकर अखबार की लंबाई कितने बित्ता है लिखो ।
☐ बित्ता ।

सप्ताह के दिन

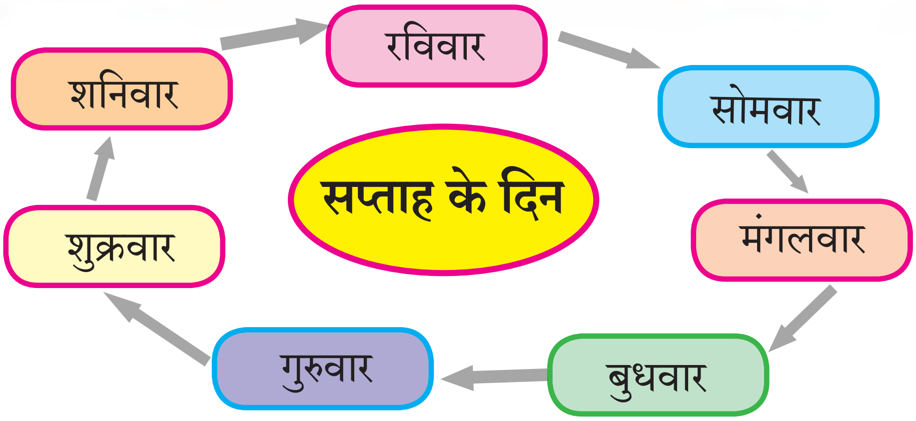

वार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार
खेल	खो-खो	लँगड़ी	गुल्ली - डंडा	लुकाछिपी	लगोरी

संलग्न तालिका देखकर प्रश्नों के उत्तर चौखट में लिखो ।

१) बच्चे मंगलवार को कौन-सा खेल खेलते हैं ? ☐

२) लुका छिपी किस दिन खेलते हैं ? ☐

३) बच्चों ने आज खो-खो खेला, तो कल कौन-सा खेल खेलेंगे ? ☐

४) बच्चों ने कल लँगड़ी खेला, तो आज कौन-सा खेल खेलेंगे ? ☐

शनिवार	**रविवार**	**सोमवार**
कल विद्‌यालय की पिकनिक गयी थी।	आज विद्‌यालय की छुट्‌टी है।	कल रोज की तरह विद्‌यालय है।

आओ समझ लें...

सप्ताह को बोलीभाषा में **हफ्ता** कहते हैं । क्योंकि लोग एक वार (दिन) से गिनती आरंभ करके पहला वार फिर से गिनते हैं ।

आओ सूचना पढ़कर देखें क्या समझ में आता है ।

चित्र का निरीक्षण करके प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

१) सबसे कम संख्या वाला प्राणी कौन-सा ?

२) सबसे अधिक संख्या वाला प्राणी कौन-सा ?

३) प्राणी संग्रहालय में कितने शेर हैं ?

४) प्राणी संग्रहालय में कितने हिरन हैं ?

५) दो संख्या वाले प्राणी कौन-से हैं ?

इनमें से तुम्हारे पसंदीदा प्राणी कौन-कौन-से है ?

वह तुम्हें क्यों पसंद है ?

942C8H

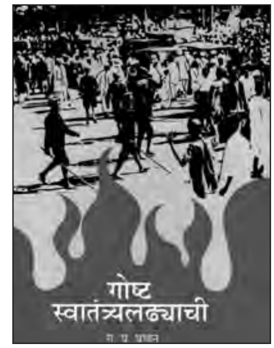

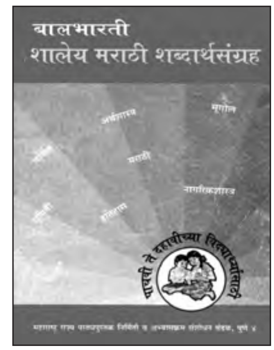

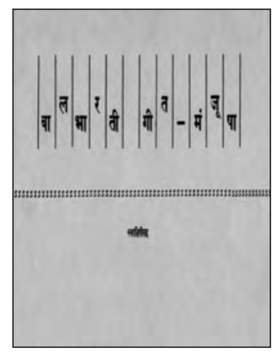

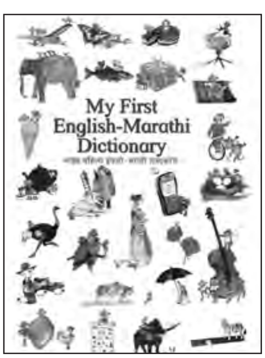

- पाठ्यपुस्तक मंडळाची वैशिष्ट्यपूर्ण पाठ्येत्तर प्रकाशने.
- नामवंत लेखक, कवी, विचारवंत यांच्या साहित्याचा समावेश.
- शालेय स्तरावर पूरक वाचनासाठी उपयुक्त.

पुस्तक मागणीसाठी www.ebalbharati.in, www.balbharati.in संकेत स्थळावर भेट द्या.

साहित्य पाठ्यपुस्तक मंडळाच्या विभागीय भांडारांमध्ये विक्रीसाठी उपलब्ध आहे.

ebalbharati

विभागीय भांडारे संपर्क क्रमांक : पुणे - ☎ २५६५९४६५, कोल्हापूर- ☎ २४६८५७६, मुंबई (गोरेगाव) - ☎ २८७७१८४२, पनवेल - ☎ २७४६२६४६५, नाशिक - ☎ २३९१५११, औरंगाबाद - ☎ २३३२१७१, नागपूर - ☎ २५४७७१६/२५२३०७८, लातूर - ☎ २२०९३०, अमरावती - ☎ २५३०९६५

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती तथा अभ्यासक्रम संशोधन मंडल, पुणे.

हिंदी गणित इयत्ता पहिली

₹ 46.00